दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-129 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 28 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

अफगानिस्तान में आया 6.2 तीव्रता का भूकंप, दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक महसूस हुए झटके

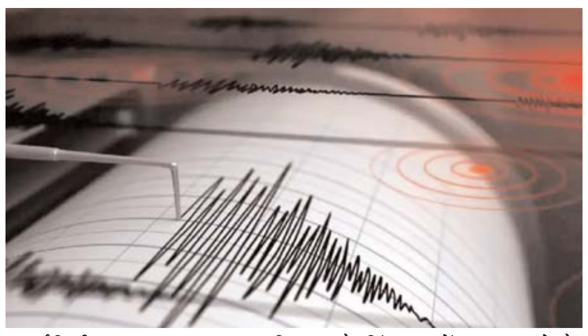

नईदिल्ली(आरएनएस)। अफगानिस्तान के हिंदूकुश में शाम 7 बजे के करीब 6.2 तीव्रता का भूकंप आया है। इसका असर भारत में भी देखने को मिला है। दिल्ली- एनसीआर से लेकर जम्मू-कश्मीर तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के साथ ही हिमाचल प्रदेश में भी धरती कांप उठी। इसके अलावा 6 देशों- पाकिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में भी लोगों ने झटके महसूस किए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र पूर्वोत्तर अफगानिस्तान में कालाफगान से करीब 81 किलोमीटर दूर धरती की सतह से 215 किलोमीटर की गहराई में था। वहीं, अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में जुर्म से 43 किलोमीटर दक्षिण में आया था। इस घटना में फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की तत्काल सूचना नहीं मिली है। भूकंप के घबराए लोगों के कई वीडियो सामने आए हैं।आज सुबह करीब 8 बजे पाकिस्तान में भी 5.4 तीव्रता का भूकंप आया था। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंपीय केंद्र के अनुसार, इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में था। इसके बाद 4.5 और 4.7 तीव्रता के 2 और भूकंप आए थे। बता दें कि अफगानिस्तान भूकंप के लिहाज से संवेदनशील जगह पर है खासतौर पर इसका हिंदू कुश इलाका।

असम में बड़ी साजिश नाकाम, प्रतिबंधित संगठन उल्फा (आई) के दो सदस्य गिरफ्तार, एके-59 और हैंड ग्रेनेड बरामद

तिनसुकिया (असम),(आरएनएस)। असम की तिनसुकिया पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है. उसने असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर के पास तिनसुकिया के जगुन से हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है. मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. वे प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम- स्वतंत्र (उल्फा-आई) के कैडर हैं. इस तरह समय रहते बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया गया.

पुलिस के इनपुट के अनुसार, ये दोनों म्यांमार से अरुणाचल प्रदेश के रास्ते असम में घुसे थे और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब करने की बड़ी योजना बना रहे थे. गिरफ्तार किए गए सदस्यों की पहचान सियोर असोम उर्फ हुमेनज्योति बरुआ (27) और मनोज असोम उर्फ पापू मोरन (30) के रूप में हुई है.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल के हिल स्टेशन कुकरु में रात्रि चौपाल में जनता से चर्चा की

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसलाः फ्लैट का कब्जा मिलने के बाद भी बिल्डर से मुआवजा मांग सकते हैं खरीदार

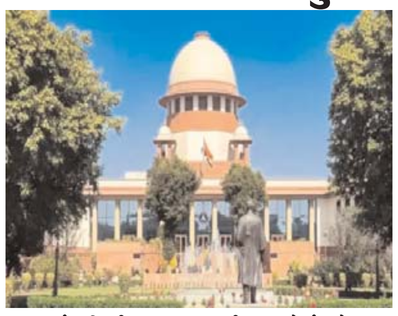

नई दिल्ली(ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने घर खरीदारों के हित में अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि फ्लैट का कब्जा मिलने के बाद भी खरीदार बिल्डर की सेवा में कमी, विशेषकर कब्जा देने में हुई देरी के लिए, उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कर मुआवजे की मांग कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन (एनसीडीआरसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि फ्लैट का कब्जा मिलने के बाद खरीदार उपभोक्ता नहीं रह जाता और वह देरी के लिए मुआवजे का दावा नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि बिल्डर और खरीदार के बीच हुए समझौते में मौजूद आर्बिट्रेशन क्लॉज (मध्यस्थता की शर्त) उपभोक्ता को अपनी शिकायत लेकर उपभोक्ता आयोग जाने से नहीं रोक सकता। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने एनसीआर के द्वारका स्थित एक हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत ने फ्लैट का कब्जा मिलने के करीब 22 वर्ष बाद भी खरीदार की देरी से कब्जा मिलने पर मुआवजे की मांग को स्वीकार कर लिया।

कर्नाटक में नेशनल हाईवे 48 पर कार में ब्लास्ट, युवक की मौत, साथ बैठी युवती को चाकू मारा

तुमकुर(आरएनएस)। कर्नाटक के तुमकुर जिले में शनिवार को हुए एक कार ब्लास्ट में एक शख्स जिंदा जल गया. मामला जिले के शिरा तालुक में जोगीहल्ली के पास नेशनल हाईवे 48 की बताई जा रही है.

मरने वाले की पहचान बेंगलुरु के रहने वाले 30 साल के नागेंद्र के तौर पर हुई है, जो हादसे के दौरान कार में मौजूद था. खबर के मुताबिक, नागेंद्र ने कार में बैठी लड़की को चाकू से वार किया था, जिसके बाद ड्राइवर ने तुरंत कार रोक दी. बाद में, लड़की और कार ड्राइवर बाहर आए और उसी समय कार में तेज धमाका हो गया. इस धमाके में युवती और कार ड्राइवर बाल-बाल बच गए. हालांकि, युवती इस घटना में घायल हो गई. उसे तुमकुर जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है.

अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालु भूलकर भी न ले जाएं ये चीजें, वरना लगेगा भारी जुर्माना

जम्मू,(आरएनएस)।श्री अमरनाथ यात्रा की तैयारियों के बीच श्रद्धालुओं के लिए एक बेहद अहम जानकारी सामने आई है। इस साल बाबा बर्फानी की पवित्र यात्रा के दौरान आस्था के साथ-साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। श्राइन बोर्ड का मुख्य लक्ष्य है कि यात्रा मार्ग के अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य को किसी भी कीमत पर कचरे का ग्रहण न लगे। इसे सुनिश्चित करने के लिए बालटाल और पहलगाम आधार शिविरों से लेकर पवित्र गुफा तक पॉलीथिन बैग, थर्माकोल और सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूरी तरह से सख्त पाबंदी लगा दी गई है।अगर कोई श्रद्धालु जानकारी के अभाव में अपने साथ पॉलीथिन बैग लेकर पहुंच भी जाता है, तो उसे आधार शिविर से आगे इसे ले जाने की बिल्कुल भी इजाजत नहीं होगी। ऐसे श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्हें आधार शिविर पर ही कपड़े का थैला एकदम मुफ्त उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए दोनों प्रमुख आधार शिविरों में पहले से ही करीब डेढ़ लाख कपड़े के थैले तैयार करके रख लिए गए हैं।

रोहित शेट्टी को फिर मिली धमकी, कॉल करने वाले ने मांगी 20 करोड़ रुपये की फिरौती

मुंबई,(आरएनएस)। बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अनजान शख्स ने फोन करके रोहित शेट्टी को डराया-धमकाया है और उनसे 20 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम की मांग की है। हालांकि, फोन पर क्या बात हुई, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मुंबई पुलिस फिलहाल कॉल डिटेल और लोकेशन को ट्रेस कर कॉलर की पहचान करने में जुटी है।रोहित को मिली नई धमकी के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। फोन करने वाले की पहचान अभी नहीं हो सकी है, लेकिन अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इसके पीछे कहीं बिश्नोई गैंग का हाथ तो नहीं है। इससे पहले कुछ महीने पहले रोहित के घर पर हुई फायरिंग मामले में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों का नाम सामने आया था। उस मामले में अब तक 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस साल 31 जनवरी और 1 फरवरी की दरमियानी रात रोहित के जुहू स्थित नौ मंजिला बंगले पर बदमाशों ने 5 राउंड फायरिंग की थी।

भोपाल में वर्ष 2027 में होगी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी एमएसएमई सेक्टर में भारत को बना रहे हैं ग्लोबल चैम्पियन

विश्व एमएसएमई दिवस पर रवीन्द्र भवन में हुई "सशक्त उद्यमी : समृद्ध मध्यप्रदेश" समिट

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लघु उद्योगों को बढ़ावा देने में मध्यप्रदेश सबसे आगे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एमएसएमई सेक्टर में भारत को ग्लोबल चैम्पियन बना रहे हैं। उद्योग और व्यवसाय क्षेत्र दूसरों के जीवन को सुखद बनाते हैं। उद्यमी कर्म को पूजा और श्रम को साधना मानते हैं। आने वाले समय में औद्योगिक क्षेत्र की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होगी और सुख का सूरज निकलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में आगामी वर्ष 2027 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा। समिट में प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रवीन्द्र भवन में "विश्व एमएसएमई दिवस" पर हुई "सशक्त उद्यमी : समृद्ध मध्यप्रदेश" समिट को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित विभिन्न उत्पादों, कला शिल्पों की विशाल प्रदर्शनी का अवलोकन किया। यह प्रदर्शनी रविवार 28 जून को भी सभी के लिए खुली रहेगी। शासन द्वारा कपास पर मंडी शुल्क आधा करने सहित उद्यमियों और किसानों के हित में अनेक निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बुरहानपुर सहित विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों द्वारा अभिनंदन किया गया।

समिट में लगभग 2000 उद्यमियों, निवेशकों, स्व-सहायता समूहों के सदस्यों सहित नीति निर्माताओं ने भागीदारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश में लगभग 7 करोड़ एमएसएमई इकाइयां हैं, जिसमें 25 लाख मध्यप्रदेश में हैं। प्रदेश की इकाइयां लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान कर रही है। जीडीपी में 31 प्रतिशत की हिस्सेदारी एमएसएमई सेक्टर की है। निर्यात में 49 प्रतिशत और विनिर्माण उत्पादन में इस क्षेत्र का योगदान 35 प्रतिशत है। इस तरह एमएसएमई सेक्टर अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश का एमएमसएमई सेक्टर जनकल्याण का माध्यम है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में रिमोट से एमएसएमई इकाइयों के साथ ही वृहद उद्योगों के लिए भी राशि जारी की। एमएसएमई इकाइयों को 225 करोड़ 19 लाख की राशि और विभिन्न स्टार्ट-अप के लिए लगभग 39 लाख की राशि प्रदान की गई। बड़े उद्योगों को निवेश प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 1274 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। इस तरह कुल 1500 करोड़ रुपए उद्योग क्षेत्र को प्रदान किए गए। मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है जहां मई 2026 तक की समस्त देनदारी का भुगतान उद्यमियों को निवेश सहायता के रूप में किया जा चुका है।

पुणे हत्याकांडः बचावकर्मी बोला-केतन का सिर कुचला हुआ था; पूछताछ में भी हुए कई खुलासे

पुणे,(आरएनएस)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नए-नए दावे सामने आए हैं। अब केतन के शव को खाई से बाहर निकालने वाले बचावकर्मी ने बताया कि केतन के सिर पर गंभीर चोटें थीं और खोपड़ी कुचली हुई थी। बचावकर्मी का दावा है कि हाथ-पैर पर भी कई जगह चोट थीं। वहीं, चेतन की मंगेतर सिया गोयल ने भी पूछताछ के दौरान कई खुलासे किए हैं। परिवार के सदस्यों के भी नए बयान सामने आए हैं।

बचावकर्मी सुनील गायकवाड़ ने कहा, केतन के सिर पर गंभीर चोटें थीं, खोपड़ी कुचली हुई थी और हाथ-पैरों पर भी कई जगह चोट थीं। उसकी मृत्यु हो चुकी थी। हमने शव को निकाला और जंगल के रास्ते बाहर ले गए, लेकिन खड़ी ढलान पर उसे उठाने में हमें कुछ कठिनाई हुई। सिया शव बरामदगी के दौरान मौजूद थी, लेकिन वह भावुक नहीं दिखी, जबकि अन्य लोग जोर-जोर से मदद के लिए चिल्ला रहे थे।

सूत्रों ने पुलिस के सूत्रों के हवाले से दावा किया कि सिया ने पूछताछ के दौरान यह स्वीकार किया है कि केतन की हत्या करना उसके परिवार का सामना करने और नवंबर में होने वाली शादी को रद्द करने से आसान था। सिया ने बताया कि उसने शादी रद्द करने के बजाय अपने होने वाले पति की हत्या करना इसलिए चुना, क्योंकि वह अपने परिवार की भावनाओं को ठेस नहीं

पहुंचाना चाहती थीं।

पुलिस ने बीते दिन करीब 10 घंटे तक सिया के भाई साहिल गोयल से पूछताछ की। इस दौरान साहिल ने पुलिस को बताया कि वह आरोपी चेतन चौधरी को जानता था और उसकी बहन उससे एक क्रिकेट के दौरान मिली थी। पुलिस ने बताया कि पिछले साल एक दोस्त की दिवाली पार्टी में मिलने के बाद दोनों के बीच धीरे-धीरे नजदीकी बढ़ गई। दोनों दोस्तों के साथ राजस्थान घूमने भी गए थे।

पुणे और लोनावला पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए 6 टीमें गठित की हैं। सिया के माता-पिता से भी लोनावला सिटी पुलिस स्टेशन में पूछताछ हुई है। वहीं, सिया के भाई साहिल से भी दूसरी बार पूछताछ की जा रही है।

कोलकाता निर्माणाधीन गोदाम हादसाः अब तक 17 की मौत, 72 घंटे बाद रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म

राजेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय कमेटी गठित

कोलकाता(आरएनएस)। महानगर के तारातल्ला क्षेत्र में हुए भीषण निर्माणाधीन गोदाम हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। मलबे से लगातार निकलते शवों के बाद इस दर्दनाक हादसे में मृतकों की कुल संख्या बढ़कर अब 17 हो गई है। पिछले 72 घंटों से दिन-रात चलाया जा रहा युद्धस्तर का राहत एवं बचाव कार्य आधिकारिक रूप से समाप्त घोषित कर दिया गया है। घटनास्थल से राहत दल धीरे-धीरे रवाना हो रहे हैं, लेकिन मलबे में तब्दील हो चुके इस खूनी ढांचे के पास अभी भी मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। इस बीच, हादसे में गंभीर रूप से घायल 17 अन्य श्रमिकों का इलाज राजकीय एसएसकेएम अस्पताल में चल रहा है, जहां डॉक्टरों की विशेष टीम उनकी जान बचाने में जुटी है।आधिकारिक रूप से बचाव कार्य खत्म, लेकिन सबूतों और घटनास्थल को सुरक्षित रखने के लिए पुलिस ने पूरे इलाके को अपनी कड़ी निगरानी में ले लिया है।

महाराष्ट्र के ठाणे में परीक्षा से पहले लीक हुआ टीईटी का पेपर, स्थगित हुई परीक्षा

ठाणे (आरएनएस)। महाराष्ट्र में रविवार को होने वाली महाराष्ट शिक्षक पात्रता परीक्षा (एमएएचए टीईटी 2026) का पेपर एक दिन पहले ठाणे के भिवंडी में लीक हो गया। ऐसे में सरकार ने परीक्षा को स्थगित कर दिया है। महाराष्ट्र पुलिस और शिक्षा विभाग को जानकारी मिली थी कि भिवंडी इलाके में किसी के पास टीईटी का प्रश्न पत्र मौजूद है। मामले की गहन जांच के बाद एफआईआर दर्ज करते हुए अब आज होने वाली परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (एमएससीई) पुणे ने 28 जून को आयोजित होने वाली टीईटी परीक्षा को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। परिषद की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया है कि परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होने की आशंका सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया है। शनिवार सुबह गोपनीय सूचना पर भिवंडी में पुलिस ने छापेमारी की। इसमें अधिकारियों को कुछ प्रश्न टीईटी परीक्षा के प्रश्नपत्र से मेल खाते पाए गए।इस मामले को गंभीरता से लेते हुए भिवंडी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। परिषद ने कहा कि परीक्षा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूरे मामले की जांच पूरी होने तक रविवार को होने वाली परीक्षा को स्थगित किया गया है। अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा से जुड़ी सभी जानकारी परिषद की वेबसाइट से ही प्राप्त करें। नई परीक्षा तारीख की घोषणा जांच पूरी होने के बाद की जाएगी। शिक्षा विभाग यह सत्यापन कर रहा है कि बरामद पेपर आज होने वाले टीईटी परीक्षा का असली पेपर है या कोई गैस पेपर है।

राम मंदिर दान की कथित चोरी दुखद और शर्मनाक, पारदर्शी जांच हो : प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल),(आरएनएस)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के दान के पैसे में भ्रष्टाचार और लूट के हालिया खुलासे को दुखद और शर्मनाक बताया. उन्होंने शनिवार को कहा कि इसकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए.

उन्होंने लाखों भक्तों, जिनमें कई गरीब महिलाएं भी शामिल हैं, के दान किए गए लाखों रुपये की हेराफेरी के लिए जिम्मेदार लोगों की आलोचना की और पूरी और पारदर्शी जांच की जरूरत पर जोर दिया. प्रियंका गांधी ने कहा, यह सच में दुखद है. देश भर के लोगों ने, जो विश्वास करते हैं और आस्था रखते हैं, दान दिया, और अब खबर है कि वह दान चोरी हो गया है. मुझे लगता है कि यह दुखद और शर्मनाक है. कांग्रेस नेता ने मंदिर के कर्मचारियों द्वारा छेड़छाड़ की संभावना पर चिंता जताई और सवाल किया कि क्या निचले स्तर के कर्मचारी सीसीटीवी कैमरे बंद करके हजारों करोड़ रुपये के चढ़ावे के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं. उन्होंने इस घोटाले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

नव्य, दिव्य और भव्य सिंहस्थ के लिए तेजी से चल रही हमारी तैयारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सिंहस्थ हमारी आस्था का महासंगम, उज्जैन और करीबी जिलों में चल रहे हैं 25 हजार करोड़ के विकास कार्य

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर 12 साल में होने वाला सिंहस्थ भारत का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, दर्शन, पीढ़ियों से चली आ रही विरासत, अटूट आस्था और हमारी आध्यात्मिक परम्पराओं का महासंगम है। इस धार्मिक उत्सव में मां शिप्रा के जल में स्नान करने से पापों का शमन होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सिंहस्थ : 2028 को नव्य प्रारूप में भव्य, दिव्य और आध्यात्मिक बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसके लिए हमारी सभी तरह के प्रबंधन एवं तैयारियां तेजी से जारी हैं। हम सब मिलकर पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण से काम करेंगे, तभी सिंहस्थ : सिंहस्थ-2028 एक नई मिसाल कायम करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन में 'सिंहस्थ-2016 के अनुभव, 2028 का संकल्प' विषय पर हुई एक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत् शुभारंभ किया। कार्यशाला में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ : 2028 के महाआयोजन से जुड़े सभी प्रशासनिक, पुलिस, स्वास्थ्य, नगर निगम और अन्य निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों एवं अन्य प्रतिनिधियों से कहा कि सिंहस्थ केवल एक मेला नहीं, करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र बिन्दु है। यह हमारी परम्पराओं, विरासत का भव्य प्रतीक है। इसकी गरिमा बनाए रखने हम सभी की जिम्मेदारी है। अधिकारी-कर्मचारी-स्वयंसेवी संगठन-जनप्रतिनिधि सभी लोग एक टीम की तरह सेवा भावना से कार्य करें,

क्योंकि टीम वर्क ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि "स्वच्छ सिंहस्थ, स्वस्थ सिंहस्थ" ही हमारा संकल्प है।

सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं और त्वरित राहत व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उज्जैन और इसके आस-पास के सभी जिलों में वर्तमान में 25 हजार करोड़ रूपए से अधिक की लागत के विभिन्न श्रेणी के कई विकास कार्य चल रहे हैं। इन कार्यों के पूरा होने पर उज्जयिनी सम्राट विक्रमादित्य के काल का वैभव पुनः प्राप्त कर धार्मिक, आध्यात्मिक और आर्थिक समृद्धि का एक नया अध्याय लिखेगी। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ: 2028 के दौरान करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का उज्जैन आने का अनुमान है। शिप्रा के नवीन घाटों और मौजूदा घाटों पर 24 घंटे में लगभग 4 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान कर सकेंगे। हमारी सरकार हर तरह के प्रबंध कर रही है ताकि सभी श्रद्धालु मां शिप्रा के जल से ही स्नान कर सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। देशभर में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिली है। विरासत से विकास का अनुष्ठान चल रहा है। हमारी धार्मिक और ऐतिहासिक नगरियां देश-दुनिया के श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही हैं। उज्जैन काल और महाकाल की नगरी है। सौभाग्यशाली लोगों को ही उज्जैन आने का अवसर मिलता है। सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए उज्जैन में दूरगामी दृष्टि के साथ अधोसंरचना विकास के कार्य जारी हैं। यहां किए जा रहे कार्य परमात्मा के आशीर्वाद से हो रहे हैं। सिंहस्थ के सफल आयोजन के लिए हर बार पिछली चुनौतियों को लेकर मंथन हुआ है। यह कार्यशाला भी इसी उद्देश्य के लिए आयोजित की गई है।

सिंहस्थ : 2028 के लिए समितियों का होगा गठन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 1980 के सिंहस्थ में उन्होंने स्वयं भी स्काउट एंड गाइड वॉलेंटियर के रूप में श्रद्धालुओं की सेवा की थी। वर्ष 1992 में सिंहस्थ समिति की बैठकों में शामिल होने का अवसर भी मिला। सिंहस्थ समितियों में हर वर्ग के अनुभवी लोगों को शामिल कर उनके सुझाव लिए जाते हैं। आगामी सिंहस्थ के लिए सभी समितियों का गठन होना है।

उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सिंहस्थ है। सिंहस्थ में पहले साधु-संतों और श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था कराने की चुनौती थी। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन शहर में होटल निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और अधोसंरचनात्मक विकास के अनेक कार्य शुरू हुए।

65वीं राष्ट्रीय अंतर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में समरदीप सिंह ने जीता रजत पदक

पुरुष शॉट पुट स्पर्धा में 20.40 मीटर के शानदार प्रदर्शन के साथ एशियाई खेल 2026 के लिए किया क्वालीफाई

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के प्रतिभावान खिलाड़ी समरदीप सिंह ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 24 से 28 जून 2026 तक आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता के चौथे दिन सायंकालीन सत्र में आयोजित पुरुष शॉट पुट स्पर्धा में समरदीप सिंह ने 20.40 मीटर का प्रभावशाली थ्रो करते हुए रजत पदक अर्जित किया।

एशियाई खेल 2026 के लिए किया क्वालीफाई

समरदीप सिंह ने अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर एशियाई खेल 2026 के लिए निर्धारित क्वालीफिकेशन मानक भी प्राप्त कर लिया है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने न केवल पदक हासिल किया, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी सुनिश्चित किया। यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का परिणाम है।65वीं राष्ट्रीय अंतर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में समरदीप सिंह का यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं की निरंतर प्रगति और खेल अकादमियों में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है। राष्ट्रीय मंच पर पदक जीतने के साथ एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करना प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

भोपाल के अस्पताल में मरीज ने फांसी लगाई, मौत : बाथरूम में फंदे पर लटका मिला शव, पुलिस ने शुरु की जांच

भोपाल (निप्र)। भोपाल के कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अस्पताल में भर्ती एक मरीज शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात बाथरूम में फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कजलीखेड़ा थाने के सब-इंस्पेक्टर महेश मांझी ने बताया कि मृतक की पहचान सागर निवासी दीपक शुक्ला (48) के रूप में हुई है। वह पेशे से किसान थे। परिजनों के अनुसार उनकी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या का इलाज चल रहा था, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था पुलिस के मुताबिक गुरुवार देर रात दीपक अस्पताल के बाथरूम में गए थे। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर अस्पताल स्टाफ और परिजनों ने उन्हें देखा तो वे अचेत अवस्था में मिले। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच की जाएगी। फिलहाल मर्ग कायम कर सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है।पुलिस के अनुसार, अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना के कारणों के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संस्कारों से ही सुरक्षित रहेगी देश की संस्कृतिः शंकराचार्य जिनालय में बच्चों और युवाओं को चरित्र निर्माण का दिया संदेश

भोपाल (निप्र)। शंकराचार्य जिनालय में विराजमान आचार्य विराग विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज के सान्निध्य में इन दिनों धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संस्कृति और संस्कारों को सहेजने का विशेष अभियान चल रहा है।प्रतिदिन मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ श्रद्धालु धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं, वहीं बच्चों और युवाओं के लिए विशेष संस्कार कक्षाएं भी आयोजित की जा रही हैं।उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी संस्कृति, भाषा, साहित्य, साधु-संतों की परंपरा और पुरातात्विक धरोहर में निहित होती है। यदि इन मूल्यों को सुरक्षित रखा जाए, तो समाज की पहचान और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी सुरक्षित रहता है। उन्होंने बच्चों और युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने चरित्र को उज्ज्वल बनाएं, अच्छे संस्कारों को अपनाएं और समाज व राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि उपाध्याय के प्रेरक प्रवचनों से प्रभावित होकर अनेक श्रद्धालुओं ने संयमित एवं संस्कारवान जीवन जीने का संकल्प लिया। श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मैहर बैंड भारत सरकार की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में सम्मिलित

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गहरी सांस्कृतिक अभिरुचि और प्रदेश की अनमोल धरोहरों को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के दृढ़ संकल्प के फलस्वरूप मध्यप्रदेश की संगीत विरासत को एक और ऐतिहासिक गौरव प्राप्त हुआ है। माँ शारदा की नगरी की धरोहर और विश्वविख्यातमैहर वाद्यवृंद (मैहर बैंड) को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) की सूची में सम्मिलित कर लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की लोक-संस्कृति और कलाओं को अक्षुण्ण रखने की नीति के अंतर्गत संस्कृति विभाग द्वारा उठाए गए प्रभावी कदमों का ही यह सुखद परिणाम है। अपर मुख्य सचिव संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व और सामान्य प्रशासन श्री शिव शेखर शुक्ला ने मैहर बैंड के प्रतिभावान कलाकारों एवं शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों में से भगोरिया नृत्य और गोंड चित्रकला% को भी इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सूची में स्थान मिल चुका है।

भोपाल मंडल में आज स्टेशनों एवं ट्रेनों में पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान

भोपाल (निप्र)। बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने एवं राष्ट्रव्यापी पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ अजय डोगरा के निर्देशन में दिनांक 28, 29 एवं 30 जून 2026 को विशेष पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत भोपाल मंडल में कुल 22 पोलियो टीकाकरण बूथ स्थापित किए गए हैं। मंडल के प्रमुख स्टेशनों भोपाल, इटारसी, बीना, गुना, गंजबासौदा सहित अन्य रेलवे स्टेशनों पर टीकाकरण बूथ संचालित किए जाएंगे, जहां 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों के बच्चों तक अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष मोबाइल टीमें भी गठित की गई हैं। ये टीमें बीना दिशा में संचालित झेलम एक्सप्रेस, पंजाब मेल, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस एवं राजकोट एक्सप्रेस तथा इटारसी दिशा में संचालित कर्नाटक एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस एवं उज्जैन दिशा में संचालित मालवा एक्सप्रेस सहित विभिन्न ट्रेनों में यात्रा कर रहे बच्चों को चलती ट्रेनों में पोलियो की दवा पिलाएंगी।इसके अतिरिक्त मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं रेलवे कॉलोनियों में रहने वाले रेल कर्मचारियों एवं आसपास के नागरिकों के बच्चों की सुविधा के लिए पैसेंजर ट्रेनों तथा रेलवे कॉलोनियों में भी विशेष टीकाकरण व्यवस्था की गई है।

आउटसोर्स कर्मचारियों को मिलना है 70 से 75 हजार एरियर

ठेकेदारों के पास कर्मचारियों का सही रिकॉर्ड नहीं, यही बड़ी बाधा;एनएचएम दो बार कर चुका आदेश

भोपाल(ए.)। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, उपस्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में ठेके पर काम कर रहे 30 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों को पिछले दो साल से न्यूनतम वेतन का एरियर नहीं मिल पाया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की ओर से इस संबंध में आदेश जारी होने के बावजूद भुगतान नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि हर साल बदल रहे ठेकेदारों और कर्मचारियों का सही रिकॉर्ड नहीं होने के कारण एरियर भुगतान में परेशानी आ रही है। ठेकेदारों द्वारा कर्मचारियों की जानकारी व्यवस्थित तरीके से नहीं रखने और मनमाने तरीके से कर्मचारियों को हटाने व रखने के कारण विभाग यह तय नहीं कर पा रहा है कि किन कर्मचारियों को एरियर दिया जाना है। श्रम आयुक्त के आदेश के बाद प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों को 1 अप्रैल 2024 से पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन देने के निर्देश दिए गए हैं। बिजली कंपनियों के बाद स्वास्थ्य विभाग में सबसे ज्यादा आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं, लेकिन यहां अभी तक कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन और एरियर नहीं मिल पाया है।वर्तमान में स्वास्थ्य विभाग के कई आउटसोर्स कर्मचारी 8 से 9 हजार रुपए महीने में काम करने को मजबूर हैं, जबकि सरकार द्वारा अकुशल श्रमिक के लिए न्यूनतम वेतन करीब 12,450 रुपए निर्धारित किया गया है।

26 महीने का एरियर बकाया, कर्मचारियों में नाराजगी

सरकार के निर्णय के अनुसार कर्मचारियों को अप्रैल 2024 से बढ़ा हुआ वेतन और उसका एरियर मिलना है। इसके चलते कर्मचारियों का करीब 26 महीने का एरियर बकाया है। अनुमान के मुताबिक एक कर्मचारी का 70 से 75 हजार रुपए तक एरियर बन सकता है।

एरियर भुगतान को लेकर प्रदेश के कई जिलों में आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन किए जा रहे हैं। एनएचएम ने 29 मई को एरियर भुगतान को लेकर आदेश जारी किया था, लेकिन जिलों से अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के बाद 15 जून को कर्मचारियों की जानकारी भेजने के लिए दोबारा निर्देश जारी किए गए।

भोपाल में स्वास्थ्य मंत्री के बंगले के घेराव की तैयारी

आउटसोर्स कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो भोपाल में स्वास्थ्य मंत्री के बंगले का घेराव किया जाएगा। इस संबंध में 28 जून को ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी मोर्चा की बैठक में आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। अस्थायी, ठेका आउटसोर्स श्रमिक कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने आरोप लगाया कि शासन द्वारा तय न्यूनतम वेतन के मुकाबले कर्मचारियों को काफी कम राशि दी जा रही है।

युवाओं के हक, रोजगार और शिक्षा के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस : जीतू पटवारी

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार, भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की है। शनिवार को राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह और प्रियव्रत सिंह ने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस प्रदेशव्यापी अभियान चलाएगी। पत्रकार वार्ता में मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना सहित युवा मामलों की समिति के सदस्य मौजूद रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, पेपर लीक और बेरोजगारी ने प्रदेश के लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले वर्षों में कई भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियां सामने आईं और सरकार युवाओं के हितों की रक्षा करने में विफल रही।

दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 32 की पीएनटी कॉलोनी में पेविंग ब्लॉक कार्य के लिए विधायक भगवानदास सबनानी ने भूमि पूजन किया।

भोपाल (निप्र)। पीएनटी कॉलोनी में लगेंगे पेंविग ब्लॉक, सबनानी ने किया भूमि पूजनदक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास के कार्य की गति से किया जा रहे हैं, शनिवार को पीएमटी कॉलोनी के मैदान में गणेश जी के चबूतरे के पास पेविंग ब्लॉक कार्य के लिए विधायक भगवानदास सबनानी में क्षेत्रीय पार्षद आरती राजू अनेजा के साथ भूमि पूजन किया।

विधायक द्वारा इस अवसर पर क्षेत्रीय निवासियों से वर्षा ऋतु में पौधारोपण करने की अपील की, उन्होंने कहा कि हमारे आने वाली पीढ़ियों को देने के लिए सबसे अच्छा उपहार है स्वस्थ वातावरण देना।

भूमि पूजन के अवसर पर विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा आशा पारोचे कविता अनुरागी बीणा संधू अर्चना श्रीवास्तव बेबी नंदा शोभा सैनी प्रमोद पोरघंटवाल अनिल साहू राहुल नैगी अखिलेश माहौरे सहित क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

भोपाल निगम की बड़ी कार्रवाई, अतिक्रमण हटाकर फास्ट फूड गाड़ी, ठेले और गन्ने की चरखी जब्त

भोपाल, (निप्र)। राजधानी भोपाल शहर में बढ़ते अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। नगर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे हटाए और कई सामान जब्त किए।नगर निगम की टीम ने सीएम हेल्पलाइन, महापौर हेल्पलाइन सहित अन्य माध्यमों से मिली शिकायतों और नियमित कार्रवाई के तहत दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान अवैध टीन शेड, बांस-बल्ली के टपरे, नालियों पर किए गए निर्माण, चबूतरे, फुटपाथ पर रखे सामान, वाहन, गमले, फोल्डिंग टेबल, स्टैंड बोर्ड, कुर्सियां सहित अन्य सामग्री हटाई गई। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने कोलार चूना भट्टी, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, एमपी नगर जोन-1 और जोन-2, बोर्ड ऑफिस चौराहा, साकेत नगर, 11 मील, होशंगाबाद रोड, चिनार सिटी, राधापुरम, कटारा, 1100 क्वार्टर, बागमुगालिया, लहारपुर, रेतघाट, रविंद्र भवन, बरखेड़ी, हमीदिया रोड, नादरा बस स्टैंड सहित कई क्षेत्रों में अभियान चलाया।

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर हुए विशेष सत्र

पूंजी तक पहुंच, निरंतर क्षमता वृद्धि जरूरी

भोपाल (निप्र)। अंतराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर समृद्ध एमएसएमई विकसित मध्यप्रदेश थीम पर रवींद्र भवन में शनिवार को हुई समिट के दौरान नये बाज़ार, नई उड़ान और पूंजी की व्यवस्था सत्रों मे निवेशको, उद्यमियों और विभिन्न व्यावसायिक तथा बैंकिंग संस्थाओं के बीच सार्थक संवाद हुआ।

एमएसएमई एवं स्वयं सहायता समूहों के लिए नवीन बाज़ार अवसर

इस सत्र में एमएसएमई के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों, विशेषकर सीमित बाजार पहुंच, पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा निर्यात, डिजिटल कॉमर्स, शोध एवं विकास, जोखिम कम करने तथा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्रों में व्यावहारिक समाधानों पर विचार-विमर्श किया गया। सुश्री अंकिता पांडे, सीनियर प्रोजेक्ट कंसल्टेंट एंड यंग एलएलपी (मॉडरेटर) एवं विशेषज्ञों ने संस्थागत सहयोग के महत्व को रेखांकित किया, जिसमें फियो (FIEO) ने प्रथम बार निर्यात करने वाले उद्यमियों को दस्तावेजीकरण, बाजार चयन तथा वैश्विक व्यापार गतिकी के संबंध में मार्गदर्शन देकर निर्यात प्रक्रिया को सरल बनाने पर बल दिया।

मध्यप्रदेश से संयुक्त अरब अमीरात को जीआई-टैग वाले रीवा सुंदरजा आमों का हुआ पहला वाणिज्यिक निर्यात

भोपाल (निप्र)। रीवा का सुंदरजा आम अब वैश्विक बाजारों की शान बन गया है। केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से जीआई टैग वाले रीवा सुंदरजा आम मध्यप्रदेश से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में पहले वाणिज्यिक निर्यात के रूप में पहुंच गये हैं। वैश्विक बाजारों में भारत के विशिष्ट कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कृषक कल्याण वर्ष के चलते यह एक बड़ी उपलब्धि है।

पिछले कई महीनों से एपीडा ने मध्यप्रदेश सरकार के बागवानी विभाग, निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), पैकिंग हाउस संचालकों और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के साथ मिलकर इस उत्कृष्ट किस्म के आम के निर्यात के लिए संपर्क स्थापित करने का काम किया है। इन समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप संयुक्त अरब अमीरात में एक खरीदार की पहचान हुई जिससे प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आम के अंतर्राष्ट्रीय विपणन का मार्ग खुला। जीआइ टैग वाले रीवा सुंदरजा आमों की पहली वाणिज्यिक निर्यात खेप में एक मीट्रिक टन आम शामिल थे और यह 26 जून 2026 को मेसर्स साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात की गई। यह ऐतिहासिक खेप रीवा सुंदरजा आम की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है और आने वाले समय में नियमित निर्यात का मार्ग प्रशस्त करने की उम्मीद है। निर्यात खेप में उच्च गुणवत्ता वाले जीआई टैग से युक्त रीवा सुंदरजा आम शामिल थे जिन्हें मध्यप्रदेश के रीवा जिले के गोविंदगढ़ निवासी से ओन्धा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और प्रगतिशील किसान सोनू गुप्ता से प्राप्त किया गया था।

आमों की कटाई निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार की गई थी और उत्तर प्रदेश के भदोही स्थित त्रिसागर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के एपीडा-सुविधा प्राप्त पैक हाउस में इनकी ग्रेडिंग, छँटाई और निर्यात-योग्य पैकेजिंग की गई थी। निर्यात पैकेजिंग और पौध स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद आमों की खेप को वाराणसी हवाई अड्डे लाया गया जहां से उसे हवाई मार्ग द्वारा आगे संयुक्त अरब अमीरात भेजा गया।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर भिण्ड में भव्य जागरुकता कार्यक्रम संपन्न

भिंड (ए.) ।कलेक्टर भिण्ड के आदेशानुसार एवं उप संचालक सामाजिक न्याय महेंद्र सिंह सौजन्या के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भिण्ड सुश्री शालू दोहरे के कुशल नेतृत्व में आज अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण और अवैध तस्करी विरोधी दिवस 2026 के अवसर पर एक वृहद नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद भिण्ड अध्यक्ष श्रीमती सरोज बघेल उपस्थित रहीं। उनके साथ अन्य जनपद सदस्य, अधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। स्कूली छात्र-छात्राओं ने दी शानदार प्रस्तुतियां कार्यक्रम में शासकीय कन्या विद्यालय, एम.एल.बी. स्कूल और स्कॉलर्स पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने विशेष रूप से भाग लिया। बच्चों ने वाद-विवाद प्रतियोगिता, ओजस्वी भाषणों और गीतों के माध्यम से समाज को नशामुक्ति का कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी अपने उद्बोधन के जरिए युवाओं और आमजन को नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

अमरकंटक में दो घंटे बारिश, अनूपपुर में धूप, उमस बढ़ी

अनूपपुर,(ए.) । मध्य प्रदेश में मानसून के आने के बाद शुक्रवार की शाम बारिश के बाद शनिवार को उमर भी गर्मी से पूरे दिन लोग परेशान रहें। वहीं विद्धुत विभाग ने सुबह से लेकर शाम तक बिजली की आंख मिचौली करते रहे।शनिवार की शाम अनूपपुर जिले का मौसम बदला जिला मुख्यालय अनूपपुर सहित जैतहरी, राजेंद्रग्राम, कोतमा, भालूमाड़ा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में काले बादल छाये हैं और हल्की हवा चली। इसके विपरीत जिले में स्थित पवित्र नगरी अमरकंटक में रोज बारिश तरबतर कर रही हैं। आज दोपहर दो घंटे तक झमाझम बारिश हुई, जिससे वहां का मौसम बेहद सुहाना हो गया।अमरकंटक में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक लगातार तेज बारिश हुई, जिससे नर्मदा मंदिर और आसपास का पूरा इलाका पानी-पानी हो गया। अमरकंटक के किसान इस बारिश को खरीफ की बुवाई के लिए बड़ी राहत मान रहे हैं। वहीं इसके विपरीत अनूपपुर जिला मुख्यालय में बारिश न होने से उमस और बढ़ गई है। यहां सुबह तेज धूप निकली थी, लेकिन दोपहर होते-होते आसमान में बादल छा गए। मौसम विभाग का अनुमान है कि रात में यहां भी पानी गिर सकता है। अधीक्षक भू-अभिलेख अधिकारी प्रदीप मोगरे ने बताया कि प्रदेश में अभी मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं हुआ है। पश्चिमी इलाकों में तो बारिश हो रही है, लेकिन अनूपपुर जिले में मानसून की अच्छी बारिश के लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा।

प्राकृतिक खेती ने बदली जिंदगी

लक्ष्मी स्व सहायता समूह की दीदी आत्मा परियोजना से कृषि सखी बन सीखा बीआरसी आदान का कार्य

जबलपुर(ए.)। रासायनिक खेती से बढ़ती लागत और घटते मुनाफे के बीच जिले के पाटन विकासखंड के सिमरिया कंतोरा गांव की किसान सविता विश्वकर्मा ने प्राकृतिक खेती को अपनाकर अपनी खेती और जिंदगी दोनों की तस्वीर बदल दी। कभी यूरिया-डीएपी और रासायनिक दवाओं पर निर्भर रहने वाली सविता आज प्राकृतिक खेती के जरिए 3 एकड़ जमीन से सालाना करीब ढाई लाख रुपए की आय अर्जित कर रही हैं। उनकी सफलता अब गांव के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रही है।

जिले में रविवार को 3 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा

पल्स पोलियो अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण

ग्वालियर(आरएनएस)। ग्वालियर जिले में रविवार 28 जून को जन्म से 5 वर्ष के सभी बच्चों को जिंदगी की दो बूँद अर्थात पल्स पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। जिले में अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे प्रयास करें कि जिले का कोई भी बच्चा पल्स पोलियो की दवा से वंचित न रहे। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि अपने बच्चों को पोलियो से बचाने के लिये नजदीकी बूथ पर जाकर पल्स पोलियो की दवा अवश्य पिलवाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एम.एस.सागर ने बताया कि ग्वालियर जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 जून से 30 जून तक चलाया जाएगा। 28 जून को पोलियो बूथ पर दवा पिलाई जायेगी। सभी अभिभावक प्रयास करें कि वे अपने बच्चों को पोलियो बूथ पर ही दवा पिलवाएं। जो बच्चे किसी कारणवश 28 जून को दवा नहीं पी पायेंगे, उनको 29 एवं 30 जून को घर-घर जाकर दवा पिलाई जायेगी।

घरेलू कुकिंग को छोटे उद्यम में बदलकर आर्थिक सशक्तिकरण सम्भव है : मंत्री राकेश शुक्ला

भिण्ड(आरएनएस)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में जनपद पंचायत मेहगांव द्वारा सांदीपनि बालक हायर सेकेंडरी स्कूल में कुकिंग कम्पटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने प्रतिभागियों और आयोजकों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया और पारंपरिक व आधुनिक दोनों प्रकार की रेसिपियों में अपनी कला दिखाई। निर्णायकों द्वारा स्वाद, प्रस्तुति और नवाचार के मानदंडों के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। विजयी महिलाओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया, जिससे स्थानीय महिलाओं में उत्साह और आत्मविश्वास दिखाई दिया। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि महिलाएँ परिवार और समाज की रीढ़ हैं, उनकी रचनात्मकता और कौशल को पहचानना और प्रोत्साहित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्व-रोजगार के अवसरों पर भी जोर दिया, कहा कि घरेलू कुकिंग को छोटे उद्यम में बदलकर आर्थिक सशक्तिकरण सम्भव है। मंत्री श्री शुक्ला ने युवा पीढ़ी को पारंपरिक पाक शैलियों को संजोए रखने के साथ-साथ पौष्टिकता और स्वच्छता का ख्याल रखने की सलाह दी।

बमौरी के युवाओं को यहीं मिलेगा कौशल और अवसर, रोजगार के लिए नहीं जाना पड़ेगा बाहर : सिंधिया

सिंधिया ने 14.74 करोड़ की लागत से निर्मित आईटीआई भवन और 2.39 करोड़ के विद्युत केंद्र का किया लोकार्पण

गुन(ए.)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आईटीआई में संचालित छह ट्रेड क्षेत्र के युवाओं के हुनर को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगे। पहले युवाओं को तकनीकी शिक्षा और रोजगार के लिए अन्य जिलों अथवा राज्यों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। केंद्रीय मंत्री सिंधिया शनिवार को मध्य प्रदेश के गुना जिले के बमौरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तिलवाड़ा में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार और आपके हमारे सामूहिक प्रयासों से क्षेत्र का विकास निरंतर सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जब तक उन्हें जनता का आशीर्वाद मिलता रहेगा, क्षेत्र की प्रगति और विकास के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे। सिंधिया ने कार्यक्रम में 14.74 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 6 ट्रेड आईटीआई मुख्य भवन, छात्रावास एवं आवास का तथा एमएसडी योजना अंतर्गत 2.39 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 33/11केवी नवीन विद्युत उपकेंद्र, धानवाड़ी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रदेश के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल भी उपस्थित रहे।

क्षेत्र का विकास हमारी प्राथमिकता: सिंधिया

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आस्था, विकास, प्रगति और अन्नदाता से जुड़ाव उनकी रग-रग में बसता है और इसी भावना से वे क्षेत्र की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिलवाड़ा में आईटीआई की स्थापना उनका सपना था, जो आज साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक सड़क और विद्युत सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया गया है। धानवाड़ी में बने नए विद्युत उपकेंद्र से लगभग 25 गांवों को बेहतर बिजली आपूर्ति मिलेगी, जिससे सिंचाई, पेयजल, शिक्षा और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि आज का दिन सभी के लिए शुभ और मंगलमय है। उन्होंने मां निहाल देवी तथा इंद्र देवता का स्मरण करते हुए क्षेत्रवासियों को दोनों विकास कार्यों की सौगात पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविन्द्र धाकड़, पूर्व मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, सांसद प्रतिनिधि हरिसिंह यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक हितिका वासल एवं अन्य अधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।

व्यापार समाचार

चीन, जापान और रूस के सस्ते स्टील के खिलाफ भारत ने खोला मोर्चा, शुरू की एंटी-डंपिंग जांच

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय घरेलू उद्योगों को विदेशी बाजार के नुकसानदेह मुकाबले से बचाने के लिए सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है. केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय की शाखा डीजीटीआर ने चीन, जापान और रूस से भारत आ रहे सस्ते स्टील के खिलाफ डंपिंग रोधी जांच शुरू कर दी है. भारतीय कंपनियों की शिकायत के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है.

घरेलू कंपनियों का दावा है कि ये तीनों देश अपने स्टील को वास्तविक लागत से बहुत कम कीमत पर भारत में बेच रहे हैं. इस प्रक्रिया को व्यापार की भाषा में डंपिंग कहा जाता है. इसके कारण भारतीय कंपनियों के व्यापार को भारी नुकसान पहुंच रहा है और बाजार का संतुलन बिगड़ रहा है. इस जांच के दायरे में हॉट-रोल्ड फ्लैट प्रोडक्ट्स को रखा गया है. यह मुख्य रूप से अलॉय या नॉन-अलॉय स्टील से बने उत्पाद होते हैं, जिनकी मोटाई 25 मिलीमीटर और चौड़ाई 2100 मिलीमीटर तक होती है. इस जांच से स्टेनलेस स्टील को बाहर रखा गया है.

स्टील के साथ-साथ सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर भी एक बड़ा फैसला किया है. चीन और मलेशिया से आने वाले डायलाइजर की भी डंपिंग जांच शुरू हो गई है. डायलाइजर एक महत्वपूर्ण मेडिकल डिवाइस है, जो किडनी के मरीजों के इलाज में कृत्रिम किडनी की तरह काम करता है. यह मरीज के खून से टॉक्सिन्स और गंदगी साफ करता है. स्थानीय निर्माताओं का कहना है कि विदेशों से आने वाले सस्ते डायलाइजर के कारण भारतीय स्वास्थ्य उत्पाद उद्योग को नुकसान हो रहा है.

डीजीटीआर की शुरुआती जांच में यह पाया गया है कि विदेशी सामानों की कीमतें भारतीय बाजार के मुकाबले असामान्य रूप से बहुत कम हैं. यदि अंतिम जांच में भी यह साबित हो जाता है कि इस सस्ते आयात से देश के निर्माताओं को गंभीर आर्थिक चोट पहुंच रही है, तो सरकार इन उत्पादों पर भारी एंटी-डंपिंग ड्यूटी (विशेष आयात शुल्क) लगा देगी. इस शुल्क के लगने से विदेशी सामान महंगे हो जाएंगे और भारतीय कंपनियों को बाजार में बराबरी का मौका मिलेगा.

अमेरिका ने सूडान गृहयुद्ध भड़काने के आरोप में भारतीय कंपनी और उसके सीईओ समेत 8 पर लगाए प्रतिबंध

वॉशिंगटन,(आरएनएस)।अमेरिका ने सूडान देश में चल रहे खतरनाक गृहयुद्ध को बढ़ावा देने के आरोप में एक भारतीय नागरिक और उनकी कंपनी समेत आठ लोगों और संस्थाओं पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं. अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने यह बड़ी कार्रवाई की है. अमेरिकी सरकार का कहना है कि इन लोगों ने सूडान की सेना और लड़ाकों को हथियार, बारूद और विदेशी लड़ाके सप्लाई किए हैं, जिससे वहां का संकट बहुत ज्यादा बढ़ गया है.

इस कार्रवाई में भारत स्थित एक विस्फोटक निर्माता कंपनी और उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ब्लैकलिस्ट किया गया है. अमेरिकी सरकार के अनुसार, इस कंपनी ने सूडान की एक अन्य फर्म को भारी मात्रा में विस्फोटक और बारूद की आपूर्ति की थी. आरोपों के मुताबिक, इस सामग्री का इस्तेमाल सूडान की सेना द्वारा युद्ध में किया गया था.

अमेरिका ने सूडान और मिस्र की उन कंपनियों पर भी रोक लगाई है जो इस युद्ध में विभिन्न गुटों की मदद कर रही थीं.

सूडान की एक इंजीनियरिंग कंपनी को भी प्रतिबंधित किया गया है. इस कंपनी पर युद्ध के दौरान विभिन्न देशों से सैन्य वर्दी और अन्य जरूरी उपकरण मंगाने का आरोप है.

अमेरिका ने एक अंतरराष्ट्रीय भर्ती नेटवर्क से जुड़े अधिकारियों को भी ब्लैकलिस्ट किया है. आरोप है कि इस नेटवर्क का इस्तेमाल कोलंबिया जैसे देशों के पूर्व सैनिकों को पैसे देकर सूडान के अर्धसैनिक बलों की तरफ से लड़ने के लिए बुलाने में किया जा रहा था.।

अदाणी ग्रुप का 2030 तक 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और 2035 तक 10 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करना है लक्ष्य : सागर अदाणी

लंदन/नई दिल्ली(आरएनएस)। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा है कि अदाणी ग्रुप दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो में से एक तैयार कर रहा है। इसके लिए समूह ने वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और 2035 तक 10 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है। लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक के दौरान लंदन के साइंस म्यूजियम में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और एनर्जी ट्रांजिशन्स कमीशन (ईटीसी) की साझेदारी में आयोजित पहले अदाणी ग्रीन एनर्जी डायलॉग में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम पंप्ड हाइड्रो और यूटिलिटी-स्केल बैटरी सहित बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं में निवेश कर रहे हैं। साथ ही देश भर में कुशलतापूर्वक बिजली वितरण के लिए ट्रांसमिशन नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं और हरित हाइड्रोजन इकोसिस्टम विकसित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम यह सब ऐसे पैमाने और गति से कर रहे हैं, जैसा दुनिया ने शायद ही कभी देखा हो। क्योंकि छोटे-छोटे बदलाव अब पर्याप्त नहीं होंगे। सागर अदाणी ने कहा कि पिछले तीन महीनों की घटनाओं ने दुनिया के हर देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है।उन्होंने कहा कि आज विकसित और विकासशील दोनों देशों को अपनी अर्थव्यवस्था को लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक संकटों से सुरक्षित रखने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, विकासशील देशों में करोड़ों लोग मध्यम वर्ग में शामिल हो रहे हैं और बेहतर जीवन के लिए उनकी ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में सस्ती ऊर्जा उपलब्ध

कराना एक बुनियादी आवश्यकता बन गया है।सागर अदाणी ने कहा कि लगातार बढ़ रहे वैश्विक तनावों ने ऊर्जा की जरूरत को अब अस्तित्व की लड़ाई बना दिया है।उन्होंने कहा, "ऊर्जा सुरक्षा, ऊर्जा की किफायती उपलब्धता और टिकाऊ ऊर्जा - यही आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है।उन्होंने कहा कि भारत में विद्युतीकरण की जरूरत सबसे अधिक है और यह सबसे चुनौतीपूर्ण भी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में भारत ने कोयला, तेल, गैस, परमाणु ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा सहित सभी स्रोतों से मिलाकर करीब 10,000 टेरावाट-घंटे ऊर्जा की खपत की।सागर अदाणी ने कहा कि भारत की चुनौती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अगले दो दशकों में देश को लगभग 2,000 गीगावाट नई बिजली उत्पादन क्षमता जोड़नी होगी।उन्होंने कहा कि यह क्षमता ऐसी होनी चाहिए जो सस्ती, सभी तक पहुंचने वाली और अधिक से अधिक स्वच्छ ऊर्जा पर आधारित हो। यही भारत के सामने सबसे बड़ा अवसर और सबसे बड़ी चुनौती है।उन्होंने कहा कि भारत के लिए आगे का रास्ता पूरी तरह स्पष्ट है। भारत को हर क्षेत्र में तेजी से विद्युतीकरण करना होगा, ताकि आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम हो सके। देश को ऐसी ऊर्जा व्यवस्था तैयार करनी होगी, जो घरेलू संसाधनों पर आधारित हो।उन्होंने कहा कि इसके लिए व्यावहारिक सोच अपनानी होगी और नवीकरणीय ऊर्जा, जलविद्युत, आधुनिक तापीय ऊर्जा तथा परमाणु ऊर्जा जैसे सभी उपलब्ध स्रोतों का उपयोग करना होगा।सागर अदाणी ने कहा,"मजबूत और बड़े पैमाने पर उपलब्ध बेसलोड बिजली के बिना यह लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं है। "उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत सरकार के नेतृत्व ने अनावश्यक नियमों और लालफीताशाही को कम करने, सार्वजनिक उपक्रमों को मजबूत करने और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण काम किया है।

सोनोस ने फिर की छंटनी, 3 प्रतिशत कर्मचारियों की गई नौकरी

नईदिल्ली(आरएनएस)। प्रीमियम ऑडियो कंपनी सोनोस ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी की है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने अपने कुल वर्कफोर्स में करीब 3 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला लिया है। यह कदम कंपनी की रीस्ट्रक्चरिंग योजना का हिस्सा है। सोनोस का कहना है कि संगठन को सरल बनाकर काम की रफ्तार बढ़ाने और नए प्रोडक्ट तेजी से तैयार करने के लिए यह फैसला लिया गया है। इस छंटनी का सबसे ज्यादा असर यूजर एक्सपीरियंस, प्रोडक्ट और डिजाइन टीमों पर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई लीडरशिप पद भी इस फैसले से प्रभावित हुए हैं। इससे पहले अप्रैल में कंपनी ने मार्केटिंग विभाग में भी कई पद खत्म किए थे। सोनोस का कहना है कि अब कम मैनेजमेंट लेयर के साथ टीमें ज्यादा स्वतंत्र होकर काम करेंगी और फैसले भी पहले से तेज गति से लिए जाएंगे।

सोनोस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम कॉनराड ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा कि कंपनी को तेजी से बदलते बाजार के हिसाब से ज्यादा चुस्त बनाना जरूरी है। उनका कहना है कि लंबे समय तक बैठकों में समय बिताने के बजाय तेजी से फैसले लेने और नए प्रोटोटाइप तैयार करने पर जोर दिया जाएगा।

इस इंजीनियर ने 45 लाख के पैकेज और माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी पर मारी लात, वजह कर देगी हैरान

नई दिल्ली(आरएनएस)। 45 लाख रुपये का सालाना पैकेज, माइक्रोसॉफ्ट जैसी दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनी में शानदार पद और एक सेटल्ड लाइफ- किसी भी आम इंसान के लिए यह एक सपने के सच होने जैसा है। लेकिन, एक युवा महिला इंजीनियर ने इस 'सुनहरे पिंजरे' को छोड़कर कुछ ऐसा करने का फैसला किया है, जिसने सोशल मीडिया पर हर किसी को हैरान कर दिया है। इस लड़की ने अपनी लाखों की नौकरी छोड़कर अब देश की सबसे कठिन परीक्षा 'यूपीएससी' (UPSC) की तैयारी करने का मन बनाया है। इस फैसले ने एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या वाकई करियर में सफलता और संतुष्टि का पैमाना सिर्फ पैसा ही होता है?

दोस्त की पोस्ट से सामने आई कहानी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर विकास अल्विस नाम के एक यूजर ने अपनी इस दोस्त की दिलचस्प कहानी दुनिया के सामने रखी है। उन्होंने बताया कि उनकी स्कूल की दोस्त बचपन से ही पढ़ाई में काफी होशियार थी। 12वीं के बाद उसने कड़ी मेहनत से जेईई मेन (JEE Main) की परीक्षा पास की और प्रतिष्ठित एनआईटी वारंगल (NIT Warangal) के ईसीई ब्रांच में दाखिला लिया। साल 2023 में बीटेक की डिग्री पूरी करते ही उसे अपनी काबिलियत के दम पर माइक्रोसॉफ्ट में 45 लाख रुपये के भारी-भरकम पैकेज पर नौकरी मिल गई। सब कुछ बिल्कुल परफेक्ट चल रहा था, लेकिन अचानक उसने इस शानदार नौकरी से इस्तीफा दे दिया ताकि वह अपना पूरा ध्यान यूपीएससी की तैयारी पर लगा सके। विकास ने अपनी पोस्ट में इस फैसले पर हैरानी जताते हुए एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने लिखा कि अगर माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनी और 45 लाख रुपये का पैकेज भी किसी इंसान को रोकने के लिए काफी नहीं है, तो आखिर लोगों को जीवन में असली शांति और संतुष्टि कहां से मिलती है? इस लड़की का यह फैसला सुख-सुविधाओं के एक सुनहरे पिंजरे को छोड़कर संघर्षों वाले खुले आसमान की ओर उड़ान भरने जैसा है।

4 करोड़ की नौकरी छोड़ टेक कर्मचारी ने शुरू किया रेस्टोरेंट, किया 22 करोड़ का कारोबार

नईदिल्ली(आरएनएस)। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, यूट्यूब और क्रूज जैसी बड़ी कंपनियों में करीब 14 साल काम करने वाले 35 वर्षीय सलाहोदीन अब्दुल-काफी ने अपनी लगभग 4.25 करोड़ रुपये सालाना की नौकरी छोड़ दी। रिपोर्ट के अनुसार, सलाहोदीन ने नौकरी छोड़ी, क्योंकि टेक इंडस्ट्री में सिर्फ मुनाफे पर बढ़ते फोकस से वह निराश हो गए थे। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के टेक्सास में हलाल बारबेक्यू (बीबीक्यू) रेस्टोरेंट शुरू करने का फैसला लिया और नई शुरुआत की।सैन फ्रांसिस्को छोड़ने के बाद अब्दुल-काफी ने कम वेतन पर एक धार्मिक गैर-लाभकारी संस्था में काम शुरू किया। खाली समय में वह दोस्तों के लिए बारबेक्यू बनाकर डिनर पार्टियां आयोजित करते थे। दोस्तों को उनका खाना इतना पसंद आया कि उन्होंने रेस्टोरेंट खोलने की सलाह दी। इसके बाद दिसंबर, 2024 में उनका टेक्सास में हलाल बीबीक्यू रेस्टोरेंट शुरू हुआ और पहले ही दिन तैयार किया गया पूरा खाना बिक गया। अब्दुल-काफी ने बताया कि उनका रेस्टोरेंट पिछले साल करीब 23 लाख डॉलर (लगभग 22 करोड़ रुपये) का राजस्व हासिल कर चुका है। इस साल कारोबार 40 लाख डॉलर (लगभग 38 करोड़ रुपये) के बड़े आंकड़े तक पहुंचने का अनुमान है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विमानन उद्योग संकट में

खबरों के मुताबिक एयर इंडिया उड़ानों में कटौती, ऑर्डर दिए विमानों की डिलीवरी लेने में देर, और विस्तार योजनाओं पर विराम लगाने जा रही है। इस बीच उसकी सेवाओं की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठे हैं।

घाटे की दलील देकर दशकों से एयर इंडिया के निजीकरण के पक्ष में माहौल बनाया गया। कहा जाता था कि नौकरशाहों के अकुशल प्रबंधन और राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण करदाताओं के हजारों करोड़ रुपए डूबाए गए हैं। आखिरकार इन तर्कों की जीत हुई। 2022 में नरेंद्र मोदी सरकार ने एयर इंडिया को टाटा ग्रुप को सौंप दिया। मगर अब हाल यह है कि सिर्फ गुजरे साल में कंपनी को तीन बिलियन डॉलर का घाटा हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इसके मद्देनजर कंपनी ने उड़ानों में कटौती, ऑर्डर दिए विमानों की डिलीवरी लेने में देर, और विस्तार योजनाओं पर विराम लगाने का फैसला किया है। इस बीच एयर इंडिया की सेवाओं की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं। एक साल गुजरने के बाद भी एआई-171 की हुई दुर्घटना के कारण अज्ञात हैं। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने कहा है कि उड़ान भरने के महज 32 सेकंड बाद हुई इस भीषण दुर्घटना की वजह के बारे में ठोस नतीजे तक पहुंचने में उसे अभी और वक्त लगेगा। उचित ही इसे एएआईबी की दर्दनाक अकुशलता का सबूत बताया गया है। गौरतलब है, एयर इंडिया के निजी हाथ में जाने के साथ भारतीय विमानन क्षेत्र में लगभग ड्यूओपॉली (दो कंपनियों का वर्चस्व) बन गई। उनमें से एक कंपनी- इंडिगो ने पायलटों की कार्यस्थिति संबंधी नियमों को लेकर सेवाओं को ही अस्त-व्यस्त कर देने का जो कथित नजरिया अपनाया, उससे प्रतिस्पर्धा खत्म होने के जोखिम खुल कर सामने आ गए थे। आज सूरत है कि दोनों कंपनियां यात्री किराए में मनमानी बढ़ोतरी करती हैं। यात्रियों के सामने विकल्प ना होने के जितने लाभ हो सकते हैं, उन्हें उठाने के आरोप उन पर लगे हैं। यह तर्क आंशिक रूप से ही सच है कि अंतराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण यह सब हुआ। ऐसी अवधि कोई नहीं थी, जब ऐसे हालात सामने नहीं आते थे। तब सरकारी विमान कंपनी घाटा सहकर भी यात्रियों के हितों को तरजीह देती थी। मगर अब यात्रियों के हित प्राथमिकता में सबसे निचले पायदान पर हैं। फिर भी विमानन उद्योग संकट में है। इस उद्योग की नाकामी की इससे बढ़ी मिसाल और क्या होगी?

प्रारंभिक जांच, एफआईआर और एसआईटी कानूनी स्थिति''

(लेखक-राजीव खंडेलवाल

' 'विश्वास-अंधविश्वास के बीच ''विश्वासघात'' कहां' '।

''सतयुग से लेकर कलयुग'' तक भगवान श्री राम हमेशा से चर्चा के केंद्र बिंदु में रहे है, खासकर 20वीं-21वी (राम जन्म भूमि आंदोलन) (राम मंदिर निर्माण) शताब्दी में। लेकिन दुर्भाग्य से आज जिस ''स्वरूप'' में चर्चा हो रही हैं, भक्त अचंभित, आशंकित होकर अपने को ''ठगा सा'' महसूस कर रहा है। इसकी कल्पना शायद किसी रामभक्त ने नहीं की थी।

मामला क्या है।

इन दिनों अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राप्त दान राशि के संबंध में कथित अनियमितताओं, धन के ''गबन'' व ''चढ़ावे'' की ''हेराफेरी'' के आरोप सर्वाधिक राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हुए हैं। मामला भगवान श्री राम की ''आस्था'' से जुड़ा होने के कारण करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं को प्रभावित करने के कारण बेहद गंभीर है। फलतः ''ट्रस्ट के लिखित अनुरोध'' पर राज्य सरकार द्वारा तीन सदस्यीय ''विशेष जांच दल'' (एसआईटी) गठित कर जांच कराई जाकर विभिन्न स्तरों पर पूछताछ और अभिलेखों की समीक्षा की जा रही है। बाड़ ही जब खेत खा जाय तब? ''एसआईटी'' ने अपनी सवा सौ पन्नों की प्रारंभिक/अंतरिम रिपोर्ट राज्य के अतिरिक्त सचिव संजय प्रसाद को 23 जून को सौंप दी है। संयोगवश वे उस ट्रस्ट के ट्रस्टी भी है, जिस ''ट्रस्ट'' पर गंभीर आरोप लगाये जा रहे है।

'' एसआईटी कितनी प्रभावी ? ''

एसआईटी कितनी प्रभावी है? यह इस बात से समझ लीजिए की अभी तक उसने आमजन को साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए हेल्पलाइन, ईमेल, पोर्टल टोल फ्री नंबर आदि की जानकारी नहीं दी है। जबकि मुख्यमंत्री योगी ने कहा था कि जिनके पास ''प्रमाण'' हो, वे एसआईटी को दें। एसआईटी की क्षमता पर इस आधार पर भी प्रश्नचिंह लगाया जा रहा हैं कि इसमें सिर्फ आईएएस अधिकारी है, कोई आईपीएस अथवा पुलिस अधिकारी नहीं। बड़ा प्रश्न यह भी है कि प्रथम दृष्ट्या जब आर्थिक अपराध के आरोप स्पष्ट रूप से जो कई बयान व साक्ष्यों से समर्थित है, सामने आए है, तब क्या बिना

''प्राथमिकी'' (एफआईआर) दर्ज किए ''एसआईटी'' की जांच कानूनी दृष्टि, पारदर्शिता व नैतिकता के पैमाने से कितनी उचित व सही ठहराई जा सकती है? ऐसी स्थिति में कानून क्या कहता है? आईये! आगे इस पर विचार करते हैं।

'' प्राथमिकी दर्ज करने का सामान्य सिद्धांत'' ।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(1) (पुराना कानून दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 154) के अंतर्गत सामान्य सिद्धांत यह है कि यदि किसी ''संज्ञेय अपराध'' की सूचना पुलिस के समक्ष आती है तो ''प्राथमिकी'' दर्ज की जानी चाहिए। ''प्राथमिकी'' का उद्देश्य किसी व्यक्ति को ''दोषी घोषित'' करना नहीं, बल्कि विधिवत आपराधिक जांच की ''शुरुआत'' करना होता है। उच्चतम न्यायालय ने ललिता कुमारी वि. उत्तर प्रदेश सरकार ((2014) 255एससी1) के प्रसिद्ध ऐतिहासिक निर्णय में पुरानी धारा 154 का विश्लेषण करते हुए यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया कि ''संज्ञेय अपराध'' होने पर कुछ अपवादों को छोड़कर तुरंत ''एफआईआर'' दर्ज करना आवश्यक है। उक्त निर्णय में दिये गये ''अपवाद'' वर्तमान प्रकरण में मौजूद नहीं हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अयोध्या निवासी विक्रम मणि तिवारी, संतोष दुबे, कारसेवक, अभिनव सिंह, करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष तथा सांसद संजय सिंह की अयोध्या के कोतवाली में दी गई तहरीर के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई।रामंदिर आंदोलन व निर्माण से जुड़े कुछ प्रमुखों के बयान। चिंता का विषय में कुछ व्यक्तियों के बयान है रजनीश सिंह पूर्व भाजपा विधायक, महंत सुंदर दास, दिगंबर अखाड़ा प्रमुख, महंत जनमेजय, रसिक पीठाधीश्वर, स्वामी दिलीप दास त्यागी, अध्यक्ष रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट, महंत धर्मदास, निर्वाणी अखाड़ा, (भगवान के हक का खाया) न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास (जांच करने वाले ही सब बेईमान है तो क्या जांच होगी?, विनय कटियार पूर्व सांसद, (सब के सब चोर हैं, जो भी इस समय हैं), विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, आलोक कुमार, (थ्ध्, फास्ट ट्रैक कोर्ट और सख्त सजा की मांग) नृपेन्द्र मिश्रा, ट्रस्टी, अध्यक्ष निर्माण समिति, (डाका डाला है, मैनेजमेंट बदलने की मांग), शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ज्योतिर्मठ के द्वारा सार्वजनिक रूप से न्यायिक हस्तक्षेप, सीबीआई, ईडी जांच की मांग करने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है।

धारा 173 की उपधारा 3 वर्तमान प्रकरण में लागू नहीं।

धारा 173 की उपधारा (3) जो उपधारा (1) का ''अपवाद'' है कहती है, 3 वर्ष से अधिक या 7 वर्ष से कम सजा होने पर थाना प्रभारी का डीएसपी या समकक्ष अधिकारी पूर्व 14 दिनों के अंदर प्रारंभिक जांच कर सकता है। यह उपधारा स्पष्ट रूप से ललिता कुमारी के लैंडमार्क निर्णय को अल्प रूप से प्रभावित जरूर करती है। तथापि उच्चतम न्यायालय ने प्रतापगढ़ी वि. गुजरात सरकार (2025 एआईआर आईएनएससी 410) के मामले में धारा 173 (3) को स्पष्टतः वैध मानते हुए यह निर्धारित किया कि धारा 173 की उपधारा 3, उपधारा 1 का अपवाद है। फिर भी बिना एफआईआर के कस्टडी में पूछताछ या जबरन हिरासत व रिकवरी कई न्यायिक निर्णयों के अनुसार अवैध है। (देखिए अर्नेश कुमार कुमार बनाम बिहार राज्य (एआईआर एससी 756) 2014, डी.के बसु वि. पश्चिम बंगाल राज्य (1997) एससीसी। हरियाणा राज्य वि. भजन लाल 1992 एससीसी 335। लेकिन एफआईआर न होने पर धारा 175 (3) के अंदर मजिस्ट्रेट के पास आवेदन दिया जा सकता है। प्राथमिकी दर्ज होने के पूर्व की गई कार्रवाइयां अवैध है। देखिये! निम्न प्रकरण प्राथमिकी से पहले कस्टडीः चरण सिंह वि. हरियाणा राज्य 1988 एससीसी 597 प्राथमिकी से पहले बयानः एच.एन. रिषब वि. दिल्ली राज्य (ए आई आर 1955 एससी 196) प्राथमिकी से पहले जांच ललिता कुमारी राज्य सरकार (2014) 2 एससी (ऐसी कस्टडी में रिकवरी हरियाणा वि. दिनेश कुमार (2008) एक दावे के अनुसार निशानदेही पर 2 करोड़ रु से ज्यादा की बरामदगी हुई है।क्या ''प्लेटफार्म टिकट'' से ट्रेन में यात्रा की जा सकती है? ठीक इसी प्रकार ''एसआईटी'' गठन के बाद भी कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए ''एफआईआर'' दर्ज करना आवश्यक होता है।राम मंदिर प्रकरण में ''ज्वलंत'' 'जलता' हुआ प्रश्न।अभी तक की हुई जांच में जो तथ्य सामने आये है, आलोचको के अनुसार उससे धारा 303 चोरी, 305 धार्मिक स्थल से चोरी, 316 आपराधिक विश्वास भंग, 318 धोखाधड़ी, 331 हाउस ट्रेसपास, 336 जालसाजी, 337 धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी, 340, जाली दस्तावेज को सही मानकर इस्तेमाल करना, 343 धोखाधड़ी एवं धारा 61 ''सामान्य उद्देश्य'' (ब्वउउवद प्दजमदजपवदद्ध के अपराध चंपत राय, गोपाल राव, अनिल मिश्रा, टीनू यादव, सोमेश आनंद आदि के विरुद्ध गठित होते दिख रहे है।

वन्यजीव नहीं, उजड़ते जंगल गांवों के दरवाज़े पर हैं

[गांवों पर बढ़ता वन्यजीव संकट, विकास नीति पर उठते सवाल]

[सिकुड़ते जंगल, बढ़ता भय — विकास की कीमत कौन चुकाएगा?]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जंगलों से उठती आह अब गांवों की दहलीज तक सुनाई देने लगी है। आधी रात खेतों में उतरते हाथी, बस्तियों के आसपास मंडराते तेंदुए और घरों की चौखट तक पहुंचते बाघ केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि उस अंधाधुंध विकास के मौन साक्ष्य हैं जिसने उनसे उनका आशियाना छीन लिया। विडंबना यह है कि जिस देश ने सदियों तक वृक्षों को देवता और वन्यजीवों को प्रकृति का परिवार माना, वहीं आज गांवों में जंगल का नाम भय का पर्याय बनता जा रहा है। यह संघर्ष किसी एक किसान और एक जानवर के बीच नहीं, बल्कि उस बिगड़े संतुलन की कहानी है जिसमें मनुष्य ने प्रकृति की सीमाएं लांघ दीं और अब प्रकृति उसी भाषा में जवाब दे रही है। सवाल यह नहीं कि वन्यजीव गांवों में क्यों आ रहे हैं, असली सवाल यह है कि उनके जंगल आखिर बचे कहां हैं?

आंकड़े बताते हैं कि यह संकट अब भयावह हकीकत बन चुका है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच हाथियों के हमलों में 2700 से अधिक लोगों की जान गई, यानी हर साल करीब पांच सौ परिवार उजड़ रहे हैं। बाघों और तेंदुओं के हमले भी लगातार बढ़ रहे हैं। खेतों की तबाही ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है। महाराष्ट्र में वन्यजीवों से कृषि नुकसान प्रतिवर्ष दस हजार से चालीस हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। कर्नाटक के कोडागु में आधे किसान हर साल करीब नब्बे हजार रुपये गंवा रहे हैं। तमिलनाडु के पश्चिमी घाट के कई क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक किसान वन्यजीवों को सबसे बड़ी समस्या मानते हैं, क्योंकि उनकी आधे से अधिक फसल जंगल निगल जाता है। जलवायु परिवर्तन, सिकुड़ते जंगल और बेलगाम विकास ने ऐसी स्थिति बना दी है कि न जंगल सुरक्षित हैं, न गांव।

मध्यप्रदेश का बावनगजा भी इस बढ़ते संकट की आहट महसूस कर रहा है। दुनिया यहां 52 गज ऊंची जैन प्रतिमा देखने आती है, लेकिन स्थानीय लोग वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही का असर भी देख रहे हैं। भीषण गर्मी से जंगलों के जलस्रोत सूख गए, भोजन घटा और वन्यजीव गांवों की ओर उतर आए। दिन में श्रद्धालुओं की घंटियां गूंजती हैं, रात में जंगल की हलचल बढ़ जाती है। कई बार खेतों को नुकसान पहुंचता है और ग्रामीणों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। बावनगजा आज केवल तीर्थ नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकट का प्रतीक बन चुका है, जहां प्रकृति और विकास आमने-सामने खड़े हैं।

यह संकट अब खेतों से निकलकर पूरे ग्रामीण जीवन पर छा चुका है। बच्चे स्कूल जाते समय रास्ते बदलते हैं। महिलाएं जंगल की ओर कदम बढ़ाने से पहले कई बार सोचती हैं। बुजुर्ग रातभर घर और खेत की रखवाली करते हैं। भय अब दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। उधर मुआवजे की जटिल प्रक्रिया पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ा देती है। सरकारी फाइलें उस किसान का दर्द नहीं समझतीं, जिसकी फसल, मवेशी या अपना एक पल में छिन गया। नतीजा यह है कि जिस समाज ने कभी वन्यजीवों को पूजनीय माना था, वही आज उन्हें सबसे बड़ा दुश्मन मानने लगा है। सह-अस्तित्व की भारतीय परंपरा अब अविश्वास में बदलती जा रही है। इस संकट का हल केवल बंदूक, पिंजरे या वन्यजीवों को खदेड़ने में नहीं है। रास्ता वहीं निकलेगा, जहां विज्ञान, संवेदना और प्रभावी नीति साथ चलें। जंगलों के प्राकृतिक कॉरिडोर सुरक्षित हों, सौर फेंसिंग और सुरक्षा खाइयां बनें, रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली विकसित हो तथा गांवों तक त्वरित चेतावनी पहुंचे। सबसे जरूरी है कि नुकसान का मुआवजा पारदर्शी और समयबद्ध मिले, ताकि किसान को न्याय के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि विकास परियोजनाओं पर हजारों करोड़ खर्च हो सकते हैं, तो जंगलों की सीमा पर देश की पहली चौकी बने लोगों की सुरक्षा और सम्मान भी उतनी ही प्राथमिकता का विषय होना चाहिए।

बावनगजा जैसे क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी के बिना कोई योजना सफल नहीं हो सकती। सामुदायिक गश्त, वन विभाग और ग्रामीणों के बीच सतत संवाद, वैज्ञानिक इको-टूरिज्म तथा हर्बल खेती, वन-उत्पाद आधारित उद्योग और पर्यटन से जुड़ी आजीविकाएं इस संकट को अवसर में बदल सकती हैं। जब गांव की आजीविका जंगल से जुड़ेगी, तब जंगल दुश्मन नहीं, सहयोगी बनेगा। बच्चों की शिक्षा में भी वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व को केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि बनाना होगा। आखिर संरक्षण कानूनों से नहीं, संस्कारों से मजबूत होता है।सबसे बड़ा सवाल हमारी विकास नीति के सामने खड़ा है। क्या विकास का अर्थ केवल जंगल काटकर सड़कें बिछाना है? क्या प्रगति का पैमाना सिर्फ कंक्रीट का विस्तार है? यदि यही सोच रही, तो आने वाले वर्षों में गांवों और जंगलों का संघर्ष और भयावह होगा। प्रकृति प्रतिशोध नहीं लेती, वह केवल अपना संतुलन वापस मांगती है। जब मनुष्य उसकी सीमाएं लांघता है, तब प्रकृति उसे उसकी अपनी सीमाओं का अहसास करा देती है। इसलिए विकास को प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत बनाना अब विकल्प नहीं, राष्ट्रीय आवश्यकता है।देश के वन-सीमांत गांव एक स्पष्ट संदेश दे रहे हैं। बावनगजा से लेकर कोडागु और पश्चिमी घाट तक एक ही पुकार है—जंगल बचेंगे तो गांव बचेंगे, गांव बचेंगे तो किसान बचेगा और किसान बचेगा तो भारत बचेगा। मनुष्य और वन्यजीवों का यह संघर्ष किसी एक की जीत से नहीं थमेगा। इसका समाधान केवल संतुलन, सह-अस्तित्व और इस स्वीकार में है कि धरती पर जितना अधिकार मनुष्य का है, उतना ही जंगल के हर जीव का भी। इतिहास बताता है कि जिसने प्रकृति को चुनौती दी, अंततः वही पराजित हुआ। अब फैसला हमारे हाथ में है—चेतावनी को समझें या आने वाली पीढ़ियों के लिए केवल पछतावा छोड़ जाएं।

कोदो-कुटकी की खेती अपनाएं, पोषण और समृद्धि दोनों पाएं

पारंपरिक धरोहर से आधुनिक पहचान तक

एल.डी. मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ की समृद्ध कृषि परंपरा में कोदो और कुटकी का विशेष महत्व रहा है। सदियों से आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के भोजन का अभिन्न हिस्सा रहे ये लघु धान्य आज एक बार फिर किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। बदलती जलवायु परिस्थितियों, पोषण संबंधी चुनौतियों और बेहतर कृषि की आवश्यकता के बीच कोदो-कुटकी जैसी मिलेट फसलें भविष्य की खेती का मजबूत आधार बनकर उभर रही हैं।

कोदो (पास्पलम स्क्रोबिकुलेटम) और कुटकी (पैनिकम सुमाट्रेंस) ऐसी फसलें हैं जिन्हें कम पानी, कम लागत और सीमित संसाधनों में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यही कारण है कि ये छोटे और सीमांत किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का माध्यम बन रही हैं। कम उपजाऊ, पथरीली और ढालू भूमि में भी इनकी खेती संभव है, जहां अन्य फसलें अपेक्षित उत्पादन नहीं दे पातीं।

आज जब दुनिया स्वास्थ्यवर्धक भोजन की ओर लौट रही है, तब कोदो और कुटकी का महत्व और बढ़ गया है। कोदो में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, आयरन और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जबकि कुटकी फाइबर, प्रोटीन, फास्फोरस तथा अन्य खनिज तत्वों से भरपूर होती है। विशेषज्ञों के अनुसार इनका नियमित सेवन मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा और एनीमिया जैसी समस्याओं के नियंत्रण में सहायक हो सकता है। यही वजह है कि आज इन्हें 'सुपर फूड' के रूप में पहचान मिल रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार भी मिलेट फसलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वर्ष 2026 में कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,200 रुपये प्रति क्विंटल तथा कुटकी का 3,350 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ इन फसलों की खेती के प्रति उत्साह बढ़ा है।

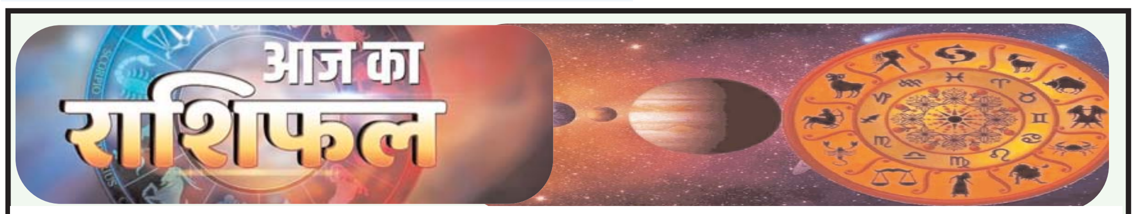

मेष राशि:मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको लोगों की मदद मिलती रहेगी, जिससे आप काफी राहत महसूस करेंगे। परिवार के साथ आज आप हंसी खुशी पल बिताएंगे। इस राशि के विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से किसी खास मुद्दे पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा, साथ ही आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। करियर में आगे बढ़ने के आज आपके सामने नए अवसर आएंगे।

मिथुन राशि:मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको नए लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए। किसी भी काम को करने से पहले बड़ों की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। बच्चे पढ़ाई के प्रति कुछ कम रुचि लेंगे इसलिए उन्हें पढ़ाई-लिखाई में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बिजनेस में विरोधियों से आपको बचकर रहना चाहिए। कृषक वर्ग को आज बढ़िया धनलाभ होगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। आज आप बढ़ते खर्च को कम करने के लिए नया प्लान बनायेंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। व्यक्तित्व में निखार आयेगा। आज घर पर अचानक मेहमानों का आगमन होगा। आज आपका ध्यान धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज कारोबार में आपको लाभ ही लाभ होगा। स्टेशनरी के काम से जुड़े लोगों को आज बढ़िया मुनाफा होगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए राहत पूर्ण रहने वाला है। आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के कम्प्यूटर शॉप वालों के लिये दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आज आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। आज आप व्यापार को बढ़ाने के लिए जरूरी फैसला लेंगे, जिसका फायदा आने वाले समय में आपको अवश्य मिलेगा। रोजमर्रा के काम समय पर पूरे होंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज की जाने वाली व्यापारिक यात्रा से अधिक लाभ होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा। ऑफिस में काम को पूरा करने में पूरी तरह से आप सक्षम होंगे। इस राशि के बिजनेस और कॉमर्स के विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया रहेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीदेंगे। आज शाम आप ऑफिस के गेट-टूगेदर में जा सकते है, जहां आप कुछ नया सीखेंगे जिससे जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आज आपको आय के नए स्त्रोत मिलेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी तारीफ करेंगे, इससे आपके रिश्ते में और मधुरता आएगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। समय से काम पूरा कर लेना बेहतर रहेगा।

आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में नागरिकता को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय बहस तेज हो गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि पासपोर्ट अपने-आप में नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं है, विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि नागरिकता का निर्धारण केवल किसी एक दस्तावेज़ से नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र परीक्षण के आधार पर होता है। यह विवाद केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकों के भरोसे से भी जुड़ा है। आम नागरिक का सबसे बड़ा सवाल यही है—यदि आधार, वोटर आईडी, पैन कार्ड और यहां तक कि पासपोर्ट भी अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो आखिर भारतीय नागरिकता सिद्ध कैसे होगी? लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति नागरिक का विश्वास होता है। यदि नागरिक को अपने ही अधिकारों के प्रमाण को लेकर असमंजस रहे, तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इसलिए समय की मांग है कि नागरिकता प्रमाणन की प्रक्रिया स्पष्ट, सर्वसुलभ और विवाद-मुक्त बनाई जाए, ताकि किसी भी भारतीय को अपनी नागरिकता साबित करने के प्रश्न पर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पहचान और नागरिकता एक जैसी नहीं हैं। आधार कार्ड आपकी पहचान और निवास का प्रमाण है। वोटर आईडी मतदान के अधिकार का प्रमाण है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान है। ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति देता है। पासपोर्ट विदेश यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान का दस्तावेज़ है। लेकिन इनमें से कोई भी दस्तावेज़ अकेले नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता।

आखिर नागरिकता कैसे तय होती है? भारत में नागरिकता का आधार नागरिकता अधिनियम, 1955

है। इस कानून के अनुसार नागरिकता प्राप्त करने के प्रमुख आधार हैं—जन्म के आधार पर, वंश के आधार पर, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा, किसी क्षेत्र के भारत में विलय के आधार पर। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर प्रश्न उठता है तो संबंधित प्राधिकारी उपलब्ध दस्तावेज़ों, जन्म संबंधी अभिलेखों, माता-पिता की नागरिकता, सरकारी रिकॉर्ड तथा अन्य कानूनी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करता है। कोई एक दस्तावेज़ हर परिस्थिति में निर्णायक नहीं होता।

हाल के वर्षों में जन्म प्रमाण पत्र को सबसे महत्वपूर्ण आधार दस्तावेज़ों में माना जाने लगा है, क्योंकि इससे जन्म तिथि और जन्म स्थान दोनों का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। लेकिन जिन लोगों का जन्म दशकों पहले हुआ और जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए स्कूल प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख, पारिवारिक रिकॉर्ड, सरकारी सेवा अभिलेख तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ भी परिस्थितियों के अनुसार महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष ने प्रश्न उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो आम नागरिक किस दस्तावेज़ पर भरोसा करे। दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क है कि दुनिया के अनेक देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता निर्धारण का एकमात्र कानूनी आधार नहीं होता और विवाद की स्थिति में मूल नागरिकता रिकॉर्ड ही निर्णायक होते हैं। यह बहस संसद से लेकर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों तक फैल चुकी है।

इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि भारत में आज तक ऐसा कोई एकल राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाण-पत्र नहीं है जिसे हर स्थिति में अंतिम माना जाए। परिणामस्वरूप लोग आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेज़ों को ही नागरिकता का प्रमाण समझ लेते हैं, जबकि कानून की दृष्टि से इनकी भूमिका अलग-अलग है।लोकतंत्र में केवल कानून होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका स्पष्ट और सरल संप्रेषण भी आवश्यक है। यदि नागरिकों में यह भ्रम बना रहे कि कौन-सा दस्तावेज़ वैध है और कौन-सा नहीं, तो इससे अनावश्यक भय और अफवाहें फैल सकती हैं।सरकार को चाहिए कि नागरिकता प्रमाणन संबंधी एक स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करे, जिसमें बताया जाए कि विभिन्न परिस्थितियों में कौन-कौन से दस्तावेज़ स्वीकार्य होंगे। इससे प्रशासनिक विवाद भी कम होंगे और नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

हर नागरिक को अपने जन्म, शिक्षा, परिवार और संपत्ति से जुड़े मूल सरकारी दस्तावेज़ सुरक्षित रखने चाहिए। दस्तावेज़ों का डिजिटलीकरण और समय-समय पर उनका अद्यतन कराना भी आवश्यक है। भविष्य में किसी भी कानूनी प्रक्रिया के दौरान यही रिकॉर्ड सबसे अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं।

नागरिकता केवल एक कानूनी स्थिति नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्यों का आधार है। इसलिए इस विषय पर राजनीति से अधिक स्पष्टता और पारदर्शिता की आवश्यकता है। नागरिकों को भ्रमित करने के बजाय सरकार को एक सरल, एकीकृत और पारदर्शी नागरिकता प्रमाणन व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री 27 से 29 जून तक सेशेल्स के राजकीय दौरे पर, राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में होंगे विशिष्ट अतिथि

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री 27 से 29 जून, 2026 तक सेशेल्स गणराज्य की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा सेशेल्स के राष्टपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर हो रही है, जिसमें प्रधानमंत्री सेशेल्स के राष्टीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

प्रस्थान से पूर्व जारी अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री ने कहा कि सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र में विश्वसनीय साझेदार है। उन्होंने कहा कि भारत के विजन महासागर तथा वैश्विक दक्षिण के प्रति साझा प्रतिबद्धता के तहत दोनों देशों के बीच सहयोग निरंतर मजबूत हो रहा है। इस वर्ष भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं, जो आपसी विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, विविधता के सम्मान और दोनों देशों के नागरिकों के बीच गहरे आत्मीय संबंधों का प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि फरवरी 2026 में राष्टपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी की सफल भारत यात्रा के बाद अब दोनों नेताओं के बीच होने वाली वार्ता से द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों देश अपने नागरिकों की प्रगति के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करेंगे।

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री सेशेल्स की राष्टीय सभा को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने इसे दोनों देशों के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को प्रदर्शित करने वाला ऐतिहासिक अवसर बताया।

प्रधानमंत्री ने कोलंबिया के राष्ट्रपति चुनावों में जीत पर एबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला को बधाई दी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोलंबियाई राष्ट्रपति चुनाव में अबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला की जीत पर उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत कोलंबिया के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को बहुत महत्व देता है, जो सभी क्षेत्रों में लगातार सुदृढ हो रही है। मोदी ने आगे कहा, मैं उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं और आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि कोलंबियाई राष्ट्रपति चुनावों में आपकी जीत पर एबेलार्डो डे ला एस्प्रीएला को हार्दिक बधाई।

भारत कोलंबिया के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को महत्व देता है, जो सभी क्षेत्रों में लगातार मजबूत हो रही है। मैं उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूं और आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की आशा करता हूं।

जहरीले कैप्सूल के साथ आरोपी गिरफ्तार, क्या है जिंक फॉस्फाइड जो मिनटों में बन सकता है मौत का कारण?

नई दिल्ली (ए.)। मुंबई पुलिस ने शनिवार को मुहर्रम के जुलूस के दौरान जिंक फॉस्फाइड (चूहे मारने का जहर) मिली हुई कैप्सूल बांटने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिंक फॉस्फाइड विषाक्तता का कोई एंटीडोट उपलब्ध नहीं है। जरा-सी लापरवाही या अस्पताल पहुंचने में देरी जानलेवा साबित हो सकती है।

मुंबई से एक सनसनीखेज मामला सामने आ रहा है। यहां महाराष्ट्र पुलिस ने बड़ी साजिश को नाकाम किया है। पुलिस ने मोहर्रम जुलूस के दौरान एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे 14,900 से अधिक जहरीले कैप्सूल जब्त किया है। पूछताछ में पता चला कि वह बिना किसी अनुमति के कैप्सूल बांट रहा था।

पहली नजर में यह सामान्य दवा लग रही थी, लेकिन जब पुलिस ने जांच की तो पूरा मामला चौंका देने वाला निकला। इन कैप्सूलों में कथित तौर पर जिंक फॉस्फाइड जैसा जहरीला पदार्थ भरा हुआ था, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर चूहे मारने की दवा के रूप में किया जाता है। जांच में आरोपी के पास लगभग 50 किलोग्राम जिंक फॉस्फाइड और 30 हजार खाली कैप्सूल होने की बात भी सामने आई है। पुलिस इस पूरे मामले को सिर्फ जहरीले पदार्थ की बरामदगी नहीं मान रही, बल्कि एक संभावित बड़ी साजिश के एंगल से भी जांच कर रही है।

अब सवाल ये है इसमें खतरनाक क्या है, जिंक फॉस्फाइड क्या होता है और इस कैप्सूल से क्या खतरा हो सकता था?

चूहों को मारने के लिए इस्तेमाल होता है जिंक फॉस्फाइड

पुलिस उपायुक्त जयंत मीना ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि शुक्रवार रात एक आदमी बायकुला थाना पुलिस के इलाके में जुलूस कैप्सूल बांटते दिखा। पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने शक होने पर सभी कैप्सूल जब्त कर लिए। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया-उसका मकसद मोहर्रम के जुलूस को निशाना बनाना था।

जिंक फॉस्फाइड चूहों को मारने वाली एक बहुत जहरीली दवा है। शरीर में जाने पर, यह पेट के एसिड के साथ मिलकर जानलेवा फॉस्फीन गैस बनाती है। यह कोशिकाओं तक ऑक्सीजन पहुंचने में रुकावट डालकर और दिल, फेफड़ों व लिवर जैसे कई अंगों को बुरी तरह नुकसान पहुंचा सकती है।

यहां गौरतलब है कि मई के महीने में मुंबई से खबर सामने आई थी कि तरबूज खाने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले की जांच में पाया गया था चारों की मौत का कारण भी जिंक फॉस्फाइड जहर ही था। यह एक बहुत ही तेज चूहा मारने वाला जहर है। फॉरेंसिक रिपोर्ट में पीड़ितों के शरीर के अंगों में इस जहरीले केमिकल के अंश मिले थे।

जहरीले कैप्सूल की इस घटना में एक बार फिर से जिंक फॉस्फाइड की चर्चा हो रही है।

जिंक फॉस्फाइड को इतना खतरनाक क्यों माना जाता है?

जिंक फॉस्फाइड शरीर में पहुंचने के बाद फॉस्फीन गैस बनाती है। यह गैस शरीर की कोशिकाओं के अंदर मौजूद माइटोकॉन्ड्रिया (कोशिकाओं का वह हिस्सा जो ऊर्जा बनाता है) को काम करने से रोक देती है। खास तौर पर यह साइटोक्रोम-सी ऑक्सीडेज नाम के एंजाइम को ब्लॉक कर देती है, जो ऊर्जा बनाने के लिए जरूरी होता है।

इसकी वजह से शरीर की कोशिकाओं में ऑक्सीजन का सही इस्तेमाल नहीं हो पाता। यानी व्यक्ति सांस तो ले रहा होता है, लेकिन शरीर के अंदर की कोशिकाएं ऑक्सीजन के बिना मरने लगती हैं। इसे सेल्युलर एनोक्सिया (कोशिकाओं तक ऑक्सीजन का इस्तेमाल न हो पाना) कहा जाता है।

तमिल फिल्म इंडस्ट्री को झटका, दिग्गज निर्देशक के भाग्यराज का दिल का दौरा पड़ने से निधन

चेन्नई,(आरएनएस)। तमिल सिनेमा जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। इंडस्ट्री के दिग्गज फिल्म निर्देशक, बेहतरीन अभिनेता और जाने-माने स्क्रीनराइटर के भाग्यराज का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वो 73 वर्ष के थे। उनके अचानक चले जाने से पूरी तमिल फिल्म इंडस्ट्री और उनके फैंस के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। सिनेमा में अपने अद्वितीय योगदान और बेहतरीन कहानियों के लिए पहचाने जाने वाले भाग्यराज ने 27 जून को अंतिम सांस ली।

दिग्गज अभिनेता, निर्देशक और लेखक भाग्यराज के निधन से तमिल फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। चेन्नई में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ। उनके परिवार में पत्नी व पूर्व अभिनेत्री पूर्णिमा भाग्यराज, बेटे शांतनु और बेटी शरण्या हैं। हाल ही में वे गोवा में मशहूर अभिनेत्री खुशबू सुंदर की बेटी की शादी में भी शामिल हुए थे। उनके निधन से तमिल सिनेमा ने अपनी सबसे सम्मानित रचनात्मक हस्तियों में से एक को खो दिया।

तमिलनाडु के इरोड में जन्मे कृष्णसामी भाग्यराज ने अपने करियर की शुरुआत दिग्गज निर्देशक भारतीराजा के सहायक के रूप में की। बाद में उन्होंने लेखक, निर्देशक और अभिनेता के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाई। भाग्यराज तमिल सिनेमा के सबसे प्रभावशाली फिल्मकारों में गिने जाते थे। मध्यमवर्गीय पारिवारिक कहानियां, धारदार पटकथा और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी फिल्मों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई और लंबे समय तक उद्योग पर अपनी मजबूत छाप छोड़ी।

भाग्यराज ने 25 से अधिक फिल्मों का सफल निर्देशन किया और 75 से ज्यादा फिल्मों में अपनी अदाकारी का जादू बिखेरा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स के विक्टोरिया में तीन दिन की राजकीय यात्रा पर पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वे वहां देश के गोल्डन जुबली नेशनल डे समारोह में गेस्ट ऑफ़ ऑनर के तौर पर शामिल होने पहुंचे हैं।

ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक को मारी टक्कर, पिता और पुत्र की मौत

हापुड़(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने एक बाइक को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तेज रफ्तार से आ रही कार से टकराया और कार के नीचे दब गए. कार भी अनियंत्रित होकर हाईवे पर ही पलट गई. बाइक सवार दंपति और 2 बच्चों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां पिता पुत्र की मौत हो गई. मां बेटे की हालत गंभीर है.

मामला थाना हापुड़ देहात क्षेत्र का है. गाजियाबाद के बम्हेटा निवासी (35) विनोद उर्फ बबली पुत्र खेमचंद अपनी पत्नी शालू (30) और बेटे वरुण (7) और प्रियांश (5) के साथ गाजियाबाद की तरफ जा रहे थे. थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के टियाला अंडरपास से ततारपुर की तरफ हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक को टक्कर मार दी. टक्कर लगने से बाइक एक कार से टकरा गई और कार अनियंत्रित होकर पलट गई. दंपत्ति सहित चारों बाइक सवार कार के नीचे दब गए.

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दंपति सहित चारों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया. जहां वरुण (7) को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. गंभीर हालत के चलते विनोद उर्फ बबली को मेरठ रेफर कर दिया गया. शालू और प्रियांशु को खरखौदा के एनसीआर मेडिकल कॉलेज में ले जाया गया. वहीं मेरठ के मेडिकल कॉलेज में विनोद उर्फ बबली की भी मौत हो गई. शालू और प्रियांशु की भी हालत गंभीर बताई जा रही है. वहीं, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है.

नगर सीओ अनीता चौहान ने बताया कि सड़क हादसे में उपचार के दौरान पिता पुत्र की मौत हो गई. महिला और उसके पुत्र का अस्पताल में उपचार चल रहा है. परिजनों को सूचना दे दी गई है. पूरे मामले की जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है.

अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था का उच्चस्तरीय आकलन, सीडीएस जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि आज कश्मीर दौरे पर

श्रीनगर,(आरएनएस)। आगामी 3 जुलाई से प्रारंभ होने वाली श्री अमरनाथ यात्रा-2026 को लेकर सुरक्षा तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इसी क्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि शनिवार को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचेंगे, जहां वे यात्रा मार्गों तथा नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा व्यवस्था और सैन्य तैयारियों का व्यापक जायजा लेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, सीडीएस श्रीनगर स्थित 15 कोर मुख्यालय में परिचालन तैयारियों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद वे अग्रिम क्षेत्रों का दौरा कर नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की तैनाती, घुसपैठ रोकने के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों तथा मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन करेंगे। सीडीएस का पदभार संभालने के बाद यह उनका जम्मू-कश्मीर का पहला आधिकारिक दौरा है।

इससे पहले शुक्रवार को जनरल सुब्रमणि ने उधमपुर स्थित उत्तरी कमान मुख्यालय तथा नगरोटा स्थित 16 कोर मुख्यालय में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा हालात की समीक्षा की। उन्हें आतंकवाद-रोधी अभियानों, नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा व्यवस्था तथा घुसपैठ रोकने के लिए किए जा रहे उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई।बैठक के दौरान श्री अमरनाथ यात्रा-2026 की सुरक्षा तैयारियों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षित आवाजाही, सुरक्षा बलों की तैनाती, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय तथा यात्रा मार्गों पर किए गए सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी सीडीएस को दी।इसके बाद जनरल सुब्रमणि ने राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर अग्रिम चौकियों पर तैनात सैनिकों की परिचालन तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्रीय सैन्य कमांडरों से चर्चा कर सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को रोकने के लिए स्थापित घुसपैठ-रोधी सुरक्षा तंत्र की भी समीक्षा की। सेना के अधिकारियों ने उन्हें हाल के सुरक्षा घटनाक्रमों और उभरती चुनौतियों से अवगत कराया।

भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस 'उदयगिरी', 'कवरत्ती' और 'शक्ति' थाईलैंड पहुंचे, समुद्री सहयोग होगा मजबूत

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय नौसेना के ऑपरेशनल डिप्लॉयमेंट के तहत, ईस्टर्न फ्लीट के भारतीय नौसेना जहाज 'उदयगिरी', 'कवरत्ती' और 'शक्ति' थाईलैंड के सत्ताहिप पहुंचे।ईस्टर्न फ्लीट के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, रियर एडमिरल आलोक आनंद की अगुवाई में पहुंचे इन जहाजों का स्वागत रॉयल थाई नेवी ने किया। यह पोर्ट कॉल दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के लगातार समुद्री जुड़ाव का हिस्सा है और भारत और थाईलैंड के बीच करीबी और लंबे समय से चली आ रही समुद्री साझेदारी को दर्शाता है।इस यात्रा में प्रोफेशनल एक्सचेंज, क्रॉस-डेक विजिट, ऑपरेशनल बातचीत, खेल-कूद और कम्युनिटी आउटरीच जैसी गतिविधियां शामिल होंगी, जिनका मकसद नौसेनाओं के बीच सहयोग और इंटरऑपरेबिलिटी को मजबूत करना है।इस पोर्ट कॉल का मकसद भारत और थाईलैंड के बीच आपसी भाईचारे, सहयोग और द्विपक्षीय समुद्री संबंधों को और मजबूत करना है। साथ ही, यह भारतीय नौसेना के जहाजों के स्वदेशी डिजाइन, मॉड्यूलर निर्माण और अत्याधुनिक तकनीक को भी प्रदर्शित करता है, जिससे रक्षा तकनीक के क्षेत्र में एक भरोसेमंद साझेदार के तौर पर भारत की बढ़ती साख उजागर होती है।इसके पहले भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस कवरत्ती ने वियतनाम की अपनी तीन दिवसीय यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की थी। 22 से 24 जून 2026 तक भारतीय युद्धपोत वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी में मौजूद रहे।इस महत्वपूर्ण पोर्ट कॉल ने भारत और वियतनाम के बीच समुद्री सहयोग, रणनीतिक साझेदारी तथा रक्षा संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाई।

पोर्ट कॉल के दौरान भारतीय नौसेना और वियतनाम पीपुल्स नेवी के जवानों ने विभिन्न पेशेवर गतिविधियों, सामरिक चर्चाओं और द्विपक्षीय अभ्यासों में भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से दोनों नौसेनाओं को अपने ऑपरेशनल अनुभव शेयर करने का अवसर मिला। दोनों देशों के नौसैनिकों ने एक-दूसरे की कार्यप्रणालियों को समझने का प्रयास किया। इसके साथ ही समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने का प्रयास किया गया। पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल आलोक आनंद के नेतृत्व में भारतीय नौसैनिक दल का वियतनाम पहुंचा था। वियतनाम पहुंचने पर भारतीय दल का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान भारतीय और वियतनाम की नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकें हुई।

गृह मंत्री अमित शाह ने की 'भारत टैक्सी' की शुरुआत, बोले- 'सारथियों' को मिलेगा सम्मान और स्वामित्व

गांधीनगर(आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गांधीनगर से गुजरात में 'भारत टैक्सी' सेवा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को मोबिलिटी सेक्टर में साकार करने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल टैक्सी चालकों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि लेकर आएगी।गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि 'भारत टैक्सी' की सेवाएं गुजरात के सभी प्रमुख शहरों, जिनमें अहमदाबाद, सूरत और राजकोट शामिल हैं, में शुरू हो चुकी हैं। यह सेवा दोपहिया, ऑटो-रिक्शा और चारपहिया वाहनों की तीनों श्रेणियों में उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि 'भारत टैक्सी' से जुड़े सात लाख 'सारथी' इसके मालिक हैं। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। निजी ऐप आधारित कंपनियां उन्हें केवल ड्राइवर मानती हैं, जबकि 'भारत टैक्सी' उन्हें 'सारथी' के रूप में सम्मान और सहकारी संस्था में हिस्सेदारी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यहां सारथी किसी ऐप कंपनी पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि स्वयं सहकारी संस्था के शेयरधारक हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि प्रतिस्पर्धी कंपनियों द्वारा अचानक किराए में की गई कटौती का उद्देश्य केवल 'भारत टैक्सी' की एंट्री को रोकना है, ताकि बाद में वे फिर से मनमाने तरीके से किराया वसूल सकें। हालांकि, उन्होंने कहा कि 'भारत टैक्सी' आम लोगों की सेवा और पारदर्शी व्यवस्था के अपने संकल्प पर कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में 'भारत टैक्सी' का विस्तार देश के 500 से अधिक शहरों और कस्बों तक किया जाएगा। वहीं, 31 जुलाई से पहले इसकी सेवाएं देश के सात प्रमुख शहरों में उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'भारत टैक्सी' केवल परिवहन सेवा नहीं, बल्कि सहकारिता आधारित आर्थिक सशक्तिकरण का मॉडल है। इसके माध्यम से सारथियों को ऋण सुविधा, बीमा सुरक्षा और कारोबार के विस्तार के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।उन्होंने कहा कि 'भारत टैक्सी' की सफलता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी इसके सारथियों और ग्राहकों पर है। दोनों को अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक सोच के साथ इस पहल को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर 'भारत टैक्सी' ने गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन, गुजरात स्टेट कोऑपरेटिव बैंक, अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस, सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और पश्चिम रेलवे के साथ विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए।

29 जून को नई दिल्ली में होगा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद का 16वां सम्मेलन

-जेपी नड्डा करेंगे अध्यक्षता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, खाद्य एवं औषधि सुधार तथा संबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं पर होगा मंथन

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से 29 जून को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद (सीसीएचएफडब्ल्यू) का 16वां सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा करेंगे। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल तथा प्रतापराव जाधव भी उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, संसद सदस्य, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, गैर-सरकारी सदस्य तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रख्यात विशेषज्ञ भाग लेंगे। बैठक का उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं पर व्यापक विचार-विमर्श करना तथा केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय एवं सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।इस वर्ष सम्मेलन के प्रमुख विषयों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत सतत विकास लक्ष्यों एवं प्राथमिकताओं, खाद्य एवं औषधि सुधार, तथा संबद्ध स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मुद्दे शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस ने एनकाउंटर के बाद शातिर बदमाश हड्डी को किया गिरफ्तार, कई मामलों में था वांटेड

नई दिल्ली,(आरएनएस)। आउटर दिल्ली में एनकाउंटर में एक शातिर बदमाश पकड़ा गया है. राज पार्क थाना इलाके में रेलवे लाइन के पास स्पेशल स्टाफ की टीम ने एक वांटेड बदमाश के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया. इस मुठभेड़ में चेन स्नैचिंग की कई वारदातों में शामिल आरोपी चंदन उर्फ हड्डी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे मौके से ही गिरफ्तार कर लिया.जानकारी के मुताबिक स्पेशल स्टाफ की टीम को सूचना मिली थी कि चेन स्नैचिंग की कई वारदातों में शामिल बदमाश चंदन उर्फ हड्डी इलाके में मौजूद है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने राज पार्क रेलवे लाइन के पास आरोपी की घेराबंदी की. पुलिस को देखते ही आरोपी ने मौके से भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी. पुलिस ने अपनी सुरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई. गोली लगने के बाद पुलिस टीम ने तुरंत आरोपी को काबू में कर लिया. मुठभेड़ के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल भी बन गया.पुलिस के अनुसार घायल बदमाश चंदन उर्फ हड्डी लंबे समय से स्नैचिंग की वारदातों में शामिल था और कई मामलों में पुलिस को उसकी तलाश थी. आरोपी के कब्जे से हथियार भी बरामद किया गया है. पुलिस ने घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आएंगे भारत, अगले साल की शुरुआत में हो सकता है दौरा

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप भारत आएंगे। वे अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी जानकारी दी है। रुबियो ने कहा कि वे खुद राष्टपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने और दोनों देशों के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। ये ट्रंप की दूसरी भारत यात्रा होगी।

रुबियो ने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं और इसी दिशा में काम कर रहे हैं कि अगले साल की शुरुआत में राष्टपति का दौरा हो। मुझे लगता है कि यह बहुत सकारात्मक बात है। भारत, अमेरिका का बहुत करीबी साझेदार और सहयोगी हैं और प्रधानमंत्री और राष्टपति के बीच संबंध बहुत गहरे हैं, जो मुझे लगता है कि कूटनीति में बहुत अहम है। मैं खुद राष्टपति के दौरे की व्यवस्था करने का इंतजार कर रहा हूं।

अगर ट्रंप भारत आते हैं, तो ये उनकी फरवरी 2020 के बाद पहली भारत यात्रा होगी। साथ ही दूसरी बार राष्टपति का पद संभालने के बाद उनकी पहली भारत यात्रा भी होगी। ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आखिरी मुलाकात इसी महीने फ्रांस के एवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। ये बीते 16 महीनों में दोनों नेताओं की पहली द्विपक्षीय बैठक थी। ट्रंप साल 2020 में अहमदाबाद में अपनी पहली भारत यात्रा पर आए थे।रुबियो ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वे उनके प्रशंसक हैं और वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने का श्रेय उन्हें ही देते हैं। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री मोदी और उनके द्वारा किए गए कार्यों के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। मोदी ने भारत को वैश्विक शक्ति बनाया है। भारत के प्रधानमंत्री और राष्टपति ट्रंप के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं। भारत और अमेरिका ऊर्जा सहयोग बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

वेनेजुएला में फिर लगे भूंकप के झटके, 4.9 की तीव्रता से सहमे लोग

काराकस,,(आरएनएस)। वेनेजुएला के उत्तरी तट से दूर एक ताजा भूकंप आया है, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.9 दर्ज की गई है। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंपीय केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र माराके से 61 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। शुक्रवार को आया भूकंप बुधवार शाम को देश में आए 2 शक्तिशाली भूकंपों के बाद आया है, जिनमें कम से कम 920 लोगों की मौत हो गई और राजधानी काराकास के कुछ हिस्से पूरी तरह तबाह हो गए।वेनेजुएला में बुधवार को आए 7.2 और 7.5 की तीव्रता वाले 2 विशानकारी भूकंपों ने व्यापक तबाही मचाई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का अनुमान है कि मृतकों की संख्या 10,000 से अधिक हो सकती है। इस आपदा में कम से कम 3,360 लोग घायल हुए हैं और 172 से अधिक लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, इन भूकंपों के बाद 50,000 से अधिक लोग लापता हैं और उनकी तलाश जारी है।

जिस बलूच एक्टिविस्ट को पाकिस्तान में मिली उम्र कैद की सजा, वो नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट

क्वेटा(आरएनएस)। हाल ही में पाकिस्तानी अदालत ने बलूच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्र कैद की सजा सुनाई। पूरी दुनिया में इस ज्यादती के खिलाफ आवाज बुलंद की जा रही है। इस कार्यकर्ता को दूसरी बार प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है।मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने इसकी घोषणा की। यह घोषणा शुक्रवार देर रात ऐसे समय में की गई, जब कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी अदालत ने फ्रंटियर कॉर्प्स के एक अधिकारी की हत्या से जुड़े मामले में महरंग बलोच सहित चार कार्यकर्ताओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आलोचना हुई थी।बीवाईसी ने एक बयान में कहा, यह नामांकन जनवरी 2026 में हुआ था, लेकिन संगठन की नीति के तहत इसे उस समय सार्वजनिक नहीं किया गया। आज इस तथ्य को सार्वजनिक करना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि जिस व्यक्ति को पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद के झूठे और निराधार आरोपों के जरिए दंडित करने की कोशिश की, उसी व्यक्ति को दुनिया अब शांति, न्याय और मानवाधिकारों के संघर्ष के प्रतीक के रूप में पहचान रही है। संगठन ने कहा कि महरंग बलोच का दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित होना इस बात का प्रमाण है कि बीवाईसी का संघर्ष पूरी तरह

शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और मानवाधिकारों के सिद्धांतों पर आधारित है। वहीं, संगठन के नेताओं के खिलाफ राज्य की कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध और दमन को दर्शाती है। बीवाईसी ने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हत्याओं और सैन्य अभियानों के खिलाफ आवाज उठाने वाले कई बलूच नेताओं के खिलाफ मनगढ़ंत एफआईआर, बेबुनियाद आरोप और अपारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। संगठन का दावा है कि महरंग बलोच और अन्य नेताओं की गिरफ्तारी के बाद बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हत्याओं और सैन्य अभियानों में और तेजी आई है, जिसका असर आम बलूच नागरिकों के जीवन पर पड़ रहा है।

बीवाईसी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, मानवाधिकार संगठनों और लोकतांत्रिक ताकतों से बलूचिस्तान की स्थिति पर प्रभावी आवाज उठाने तथा महरंग बलोच सहित अन्य बलूच नेताओं के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।वहीं, एक अन्य मानवाधिकार संगठन बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने कहा कि महरंग बलोच का दूसरी बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीवीजे ने कहा, जब पाकिस्तान सरकार राजनीतिक रूप से प्रेरित मुकदमों के जरिए उन्हें आजीवन कारावास की सजा दे रही है, तब अंतरराष्ट्रीय समुदाय उनके मानवाधिकारों और न्याय के प्रति शांतिपूर्ण समर्पण को मान्यता दे रहा है।संगठन ने कहा कि यह नामांकन बलूचिस्तान की मानवाधिकार स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सक्रिय हस्तक्षेप को प्रोत्साहित करना चाहिए। साथ ही मानवाधिकार रक्षकों की सुरक्षा, शांतिपूर्ण गतिविधियों के कारण जेल में बंद लोगों की रिहाई और दंडमुक्ति की संस्कृति को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

शोएब अख्तर के भाई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए लश्कर-ए-तैयबा के आंतकी

इस्लामाबाद(आरएनएस)। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद का 24 जून को इस्लामाबाद में अंतिम संस्कार (जनाजा) हुआ। उसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कई आतंकवादी शामिल हुए। इनमें एलईटी उपप्रमुख सैफुल्लाह कसूरी भी था, जिसे 2025 के पहलगाम हमले का कथित मास्टरमाइंड माना जाता है। उस हमले में 26 नागरिकों की मौत हुई थी। वायरल वीडियो में इस्लामाबाद के एच-8 कब्रिस्तान में एलईटी नेताओं की उपस्थिति दिखाई दे रही है।

पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के अध्यक्ष इनाम उर रहमान भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। पीएमएमएल लश्कर-ए-तैयबा का एक राजनीतिक मोर्चा है, जिसका गठन संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी हाफिज सईद ने जमात-उद-दावा (जुद) और मिली मुस्लिम लीग जैसे अपने संगठनों पर लगे अंतरराष्ट्रीय और घरेलू प्रतिबंधों से बचने के लिए किया था। पीएमएमएल ने 2024 के पाकिस्तानी चुनावों में भी भाग लिया था। सार्वजनिक कार्यक्रमों में कसूरी जैसे आतंकवादियों की उपस्थिति भारत विरोधी तत्वों के लिए पाकिस्तान के निरंतर समर्थन को उजागर करती है।

अमेरिका ने ईरानी मिसाइल और ड्रोन ठिकानों पर किया हमला, तेहरान का भी पलटवार

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को एक बार फिर से तनाव का नया दौर शुरू हो गया। ईरान पर होर्मूज जलडमरूमध्य में सिंगापुर के झंडे वाले वाणिज्यिक मालवाहक जहाज पर हमला करने का आरोप लगाते हुए अमेरिका ने ईरानी मिसाइल और ड्रोन ठिकानों पर हमला कर दिया। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। स्विट्जरलैंड में दोनों पक्षों के बीच एक नाजुक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद यह पहली प्रत्यक्ष सैन्य प्रतिक्रिया थी।

अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने कहा कि 25 जून को ईरान द्वारा कथित तौर पर सिंगापुर के ध्वज वाले मालवाहक जहाज एवर लवली पर एकतरफा हमलावर ड्रोन से हमला करने के बाद अमेरिकी विमानों ने ईरानी मिसाइल और ड्रोन भंडारण सुविधाओं के साथ-साथ तटीय रडार स्थलों

को निशाना बनाया है। सेंटकॉम ने ऑपरेशन को ईरान द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमले के जवाब में एक जोरदार प्रतिक्रिया बताया है और आगे भी उल्लंघन पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सेंटकॉम ने कहा, ईरानी सेना द्वारा वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ की गई अनुचित आक्रामकता ने स्पष्ट रूप से युद्धविराम का उल्लंघन हुआ है। अमेरिकी सेना ईरान के साथ हुए समझौते के सभी पहलुओं का पालन सुनिश्चित करने के लिए मौजूद और सतर्क है, ताकि यह पूरी तरह से लागू रहे। कमान ने कहा कि अमेरिकी सेनाएं होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए समन्वय जारी रखेंगी।

हमले के तुरंत बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी ठिकानों पर हमले तब हुए जब आईआरजीसी ने अमेरिका को धमकी दी कि पहले हुए हमलों का जवाब दिया जाएगा और तेहरान निर्णायक जवाब देगा। हालांकि, ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए हमलों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

फीचर

व्हाइट फोटोशूट में अमीई मिसोबाह का शानदार अंदाज़

अभिनेत्री अमीई मिसोबाह एक बार फिर अपने लेटेस्ट फैशन फोटोशूट को लेकर चर्चा में हैं। गोल्डन और व्हाइट रंग के बेहद खूबसूरत परिधान में नज़र आई अमीई ने अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और शालीनता से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। इस फोटोशूट ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह तेजी से उभरती हुई फैशन आइकन हैं। तस्वीरों में अमीई विभिन्न आकर्षक पोज़ देती हुई दिखाई दे रही हैं, जहां उनका ग्लैमर और एलिगेंस का अनोखा संगम देखने को मिलता है। गोल्डन रंग की चमक उनके लुक में लग्ज़री का एहसास जोड़ती है, वहीं व्हाइट आउटफिट उनकी सादगी और आकर्षण को और निखारता है। दोनों रंगों का यह मेल उनकी प्राकृतिक सुंदरता को बेहतरीन ढंग से उभारता है। उनका बेदाग मेकअप, मनमोहक एक्सप्रेशन्स और आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्तित्व पूरे फोटोशूट को एक हाई-फैशन मैगज़ीन के कवर जैसा शानदार बना देता है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं और उनके फैशन सेंस व स्टाइलिश अंदाज़ की जमकर सराहना कर रहे हैं।

चाहे आउटफिट की बारीकियां हों या उसे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने का अंदाज़, अमीई यह साबित करती हैं कि असली स्टाइल आत्मविश्वास और मौलिकता में बसता है। यह फोटोशूट न केवल उनके फैशन-फॉरवर्ड व्यक्तित्व को दर्शाता है, बल्कि हर माहौल में चमकने की उनकी क्षमता को भी उजागर करता है।फैशन और आत्म-अभिव्यक्ति के बारे में बात करते हुए अमीई ने कहा कि फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं है, यह आपकी पहचान का प्रतिबिंब है। जब आप अपने पहनावे में आत्मविश्वास महसूस करते हैं, तो आपकी आंतरिक सुंदरता अपने आप निखरकर सामने आती है।

इस मनमोहक गोल्डन और व्हाइट फोटोशूट के साथ अमीई मिसोबाह ने एक बार फिर अपनी खूबसूरती, आकर्षण और स्टार पावर से दर्शकों का दिल जीत लिया है। फैंस इन शानदार तस्वीरों की जमकर सराहना कर रहे हैं और यह साफ है कि अमीई का फैशन सफर लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर घटी कॉकटेल 2 की कमाई, सामंथा की फिल्म ने बढ़त दिखाई, जानें-बाकी फिल्मों का हाल

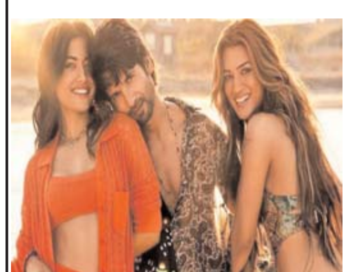

सिनेमाघरों में इन दिनों 'कॉकटेल 2' छाई हुई है. शाहिद कपूर स्टारर ये रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अच्छी कमाई कर रही है. वहीं सामंथा रूथ प्रभु स्टारर फिल्म मां इंति बंगारम भी इस फिल्म को बराबर की टक्कर दे रही है. इन दोनो के अलावा सिनेमाघरों में इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा भी मौजूद है. चलिए यहां जानते हैं इन फिल्मों ने गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है? होमा अदजानिया निर्देशित और शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना स्टारर 'कॉकटेल 2' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक हफ्ता पूरा हो गया है. इस दौरान इस फिल्म ने अच्छी कमाई की है. हालांकि वीकडेज में इसके कलेक्शन में मंदी भी देखी गई है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'कॉकटेल 2' ने रिलीज के 7वें दिन यानी गुरुवार को 4.15 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ 'कॉकटेल 2' की एक हफ्ते की यानी 7 दिनों की कुल कमाई अब 70.40 करोड़ रुपये हो गई है.

क्या होता है जब आप रोजाना दांत नहीं साफ करते? जानिए

दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है और इसमें रोजाना कम से कम दो बार दांत साफ करना शामिल है। जब लोग इस आदत को नजरअंदाज करते हैं तो उन्हें मुंह की कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कई लोग सोचते हैं कि सिर्फ सुबह के समय दांत साफ करना जरूरी है, जबकि रात में भी यह उतना ही अहम है। आइए जानते हैं कि रोजाना दांतों की सफाई न करने से क्या-क्या समस्याएं हो सकती हैं।

मुंह की बदबू

मुंह की बदबू एक आम समस्या है, लेकिन यह काफी शर्मिंदगी भरी हो सकती है। ऐसा तब होता है जब आप नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते हैं क्योंकि मुंह के अंदर बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो बदबू का कारण बनते हैं। इसके अलावा खाना खाने के बाद मुंह में खाना फंसने से भी बदबू हो सकती है। इससे बचने के लिए रोजाना दो बार दांत साफ करना जरूरी है।

दांतों का कमजोर होना

रोजाना दांत साफ न करने से दांत कमजोर हो जाते हैं और उनके टूटने की संभावना बढ़ जाती है। जब दांतों की सफाई नहीं होती तो उन पर गंदगी जमने लगती है, जो उन्हें कमजोर कर देती है। इसके अलावा बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और छेद हो सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप नियमित रूप से दांत साफ करें और अपने दांतों की देखभाल करें।

मसूड़ों की समस्या

अगर आप नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते तो इससे आपके मसूड़ों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। गंदगी जमने के कारण मसूड़ों में सूजन, खून आना और दर्द हो सकता है। इसके अलावा मसूड़े कमजोर होकर टूटने लगते हैं, जिससे दांत भी गिर सकते हैं। मसूड़ों की समस्या से बचने के लिए रोजाना दांत साफ करना जरूरी है ताकि गंदगी जमा न हो और मसूड़े स्वस्थ रहें।

पाचन तंत्र पर असर

पेट की समस्याओं का सीधा संबंध मुंह की सेहत से होता है। अगर आप नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते तो मुंह के बैक्टीरिया पेट में जाकर वहां भी संक्रमण फैला सकते हैं, जिससे पेट दर्द, गैस, उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा मुंह की खराब सेहत पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए रोजाना दो बार दांत साफ करना जरूरी है ताकि पेट संबंधित समस्याओं से बचा जा सके।

शरीर की अन्य समस्याएं

मुंह की खराब सेहत केवल मुंह तक सीमित नहीं रहती बल्कि पूरे शरीर पर असर डालती है। बैक्टीरिया खून के माध्यम से पूरे शरीर में फैल सकते हैं, जिससे दिल की बीमारी, शुगर जैसी कई गंभीर रोग हो सकते हैं। इसके अलावा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो सकती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप नियमित रूप से दांत साफ करें ताकि इन सभी समस्याओं से बचा जा सके।

लॉक अप सीजन 2 में कैद होने वाली हैं टीवी की मासूम बहू शिवांगी जोशी, कंटेस्टेंट्स को देंगी टफ कंपटीशन

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं. जल्द ही वो आने वाले रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में नजर आने वाली हैं, जिसे लेकर उनके फैंस बहुत एक्साइटेड हैं. पर्दे पर मासूम और छुई मुई बहू का किरदार निभाने वाली शिवांगी शो में नए अवतार के नजर आने वाली है. इसी बीच शो के लिए एक्साइटमेंट और खुशी दिखाते हुए शिवांगी ने कई बातें शेयर की हैं.

कंटेंस्टेंट के रूप में नेटफ्लिक्स के इस शो में एंट्री करने पर शिवांगी ने कहा कि मैं बहुत स्ट्रॉन्ग रहूंगी और हिम्मत करके खेलूंगी. मैं बहुत सेंसिटिव और नर्वस हूं, लेकिन अब मैंने चैलेंज ले लिया है, तो इसे एक्सेप्ट करते हुए आगे बढ़ूंगी. शिवांगी की ये बातें उनके फैंस को बहुत पसंद आ रही है और सभी उनका हौसला बढ़ा रहे हैं. बता दें कि शिवांगी को ये रिश्ता क्या कहलाता है से नई ऊंचाई मिली और उन्हें हर घर में पहचान मिली. इसके बाद उन्हें टीवी की सबसे पसंदीदा बहू और बेटी के से एक माना जाता हैं. आज भी उनके शोज के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार करते है और उनका साथ देते हैं. अब नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वो इस रियलिटी शो में दस्तक दे रही है, जिसे फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट करने वाले हैं. ये शो 28 जून से स्ट्रीम किया जाएगा और इसमें शिवांगी के अलावा राम कपूर जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं. वहीं बात करें करियर की, तो शिवांगी ने बेगूसराय सीरियल से शुरुआत की थी. वो उत्तराखंड की एक सिंपल लड़की थी, जिसे अंदाजा नहीं था कि वो यहां तक पहुंचेगी. ये रिश्ता क्या कहलाता है में उनके किरदार ने सभी दर्शकों पर मानो जादू कर दिया हो. इसके अलावा शिवांगी को खतरों के खिलाड़ी में भी देखा गया, लेकिन तबियत खराब होने की वजह से उन्होंने बीच के शो छोड़ दिया. अब ये शो उनके करियर को नई ऊंचाई दे सकता हैं.

कठोर पानी आपके बालों और त्वचा को बना सकता है अस्वस्थ, जानिए इसका असर

पानी की गुणवत्ता हमारे बालों और त्वचा के स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है। कठोर पानी में कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज अधिक होते हैं, जो बालों को रूखा और बेजान बना सकते हैं। इसके अलावा यह त्वचा को भी प्रभावित करता है, जिससे खुजली और रूखापन हो सकता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कठोर पानी से बाल और त्वचा पर क्या-क्या असर पड़ते हैं और इसे कैसे कम किया जा सकता है।

बालों की चमक हो सकती है कम

कठोर पानी में मौजूद खनिज तत्व बालों की चमक को प्रभावित कर सकते हैं। इससे बाल बेजान और बिखरे हुए नजर आते हैं। इसके अलावा कठोर पानी से बालों की नमी भी कम हो जाती है, जिससे वे रूखे और बेजान लगते हैं। इस समस्या से बचने के लिए आप पानी साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं, जो पानी से कठोर खनिज तत्वों को हटाता है और बालों को मुलायम बनाता है।

बढ़ सकती है बालों के झड़ने की समस्या

कठोर पानी के इस्तेमाल से बालों का झड़ना बढ़ सकता है। इसमें मौजूद खनिज तत्व बालों की जड़ों को कमजोर कर देते हैं, जिससे वे टूटने लगते हैं। इसके अलावा कठोर पानी से बालों की जड़ों तक पोषण नहीं पहुंच पाता, जिससे बाल कमजोर हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं। इससे बाल जड़ों से ही नहीं, बल्कि बीच से भी कमजोर हो जाते हैं। साथ ही इससे दो-मुंहें बाल भी हो सकते हैं।

बाल हो जाते हैं रूखे और बेजान

कठोर पानी से बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं। इसमें मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज तत्व बालों की नमी को छीन लेते हैं, जिससे वे बेजान और उलझे हुए दिखते हैं। इसके अलावा कठोर पानी से बालों की प्राकृतिक चमक भी कम हो जाती है, जिससे वे काफी बेजान से दिखाई देने लगते हैं। इस समस्या से बचने के लिए आप पानी साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं।

त्वचा पर खुजली और रूखापन

कठोर पानी न केवल बालों, बल्कि त्वचा पर भी असर डालता है। इससे त्वचा पर खुजली हो सकती है और वह रूखी भी पड़ सकती है। इसके अलावा कठोर पानी से त्वचा की नमी भी कम हो जाती है, जिससे वह बेजान और सूखी लगती है। इस समस्या से बचने के लिए आप पानी साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं और नियमित रूप से त्वचा की देखभाल पर ध्यान दे सकते हैं।

नमी बनाए रखने वाले उत्पादों का करें उपयोग

कठोर पानी की समस्याओं से निपटने के लिए नमी बनाए रखने वाले बालों की देखभाल के उत्पादों का उपयोग करें। इन उत्पादों में नमी देने वाले तत्व होते हैं, जो बालों को पोषण देते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं। इसके अलावा ये उत्पाद बालों की जड़ों तक पोषण पहुंचाते हैं, जिससे वे मजबूत होते हैं और झड़ते नहीं। इसके अलावा त्वचा की देखभाल के लिए भी ऐसे ही उत्पादों का चुनाव करें, जो नमी को बहाल कर सकें।

बस्तर को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में बड़ी पहल, जल्द शुरू होगा रावघाट तक रेल संचालन

भानुप्रतापपुर, (आरएनएस) । बस्तर क्षेत्र को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने भानुप्रतापपुर पहुंचकर रावघाट रेल परियोजना और अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि रावघाट तक रेल संचालन जल्द शुरू किया जाएगा, जबकि इसके बाद जगदलपुर तक रेल लाइन विस्तार का कार्य चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगा।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक के साथ रायपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दयानंद सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने परियोजना की प्रगति का जायजा लिया और शेष कार्यों की समीक्षा की।पत्रकारों से चर्चा करते हुए महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने बताया कि रावघाट रेल परियोजना का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। केवल कुछ तकनीकी और अधोसंरचनात्मक कार्य शेष हैं, जिन्हें शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद रावघाट तक नियमित रेल संचालन शुरू कर दिया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि रावघाट के बाद जगदलपुर तक रेल लाइन विस्तार की प्रक्रिया भी चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाई जाएगी। इस परियोजना को लेकर रेल मंत्रालय गंभीरता से कार्य कर रहा है और इसे प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

नवविकास की राह पर अग्रसर बस्तर : जगरगुण्डा पहुंचने वाली पहली महिला मंत्री बनी लक्ष्मी राजवाड़े।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश की कमेटी समान नागरिक संहिता पर लेगी सुझाव,रिपोर्ट के बाद जल्द फैसला होगा : डिप्टी सीएम अरुण साव

रायपुर(आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर, अटल नगर निवास कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि, विष्णु देव साय सरकार छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी विभिन्न वर्गों एवं समाज के लोगों से सुझाव आमंत्रित करेगी। इन सब बातों पर विचार कर अपना प्रारूप प्रस्तुत करेगी और फिर सरकार उस पर विचार कर आगे बढ़ेगी।

अरुण साव ने कहा कि, देश के विभिन्न राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो चुकी है और उसका पूरे राज्य में स्वागत हुआ है। यूसीसी के लिए देश के संविधान में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने अधिकार प्रदान किया है। छत्तीसगढ़ की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह प्रारूप कमेटी का गठन किया गया है। सरकार रिपोर्ट के बाद त्वरित कार्यवाही करेगी।

अरुण साव ने कहा कि,कांग्रेस हर बात पर भ्रम फैलाने और झूठ बोलने का काम करती है। समान नागरिक संहिता पर अभी भी झूठ बोल रही है। बार बार इस बात को स्पष्ट किया जा चुका है कि आदिवासी समाज को यूसीसी से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, और किसी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अरुण साव ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेसियों की बार बार बुरी हार से बीपी बढ़ी हुई है। जबकि भाजपा लगातार जनाधार बढ़ने से उत्साहित होकर देश सेवा कर रही है। आज देश के 80 प्रतिशत भू भाग में भाजपा, एनडीए की सरकार है। इससे समझ सकते हैं बीपी किसका बढ़ा होगा। इनकी हालात क्या होगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, नगर निगम और नगर पालिका अधिनियम में विशेषज्ञ के रूप में एल्डरमैन की नियुक्ति का प्रावधान है। उस प्रावधान के अनुसार रायपुर और सरगुजा संभाग के सभी नगरीय निकाय में नियुक्ति की गई है। शेष संभाग में भी एल्डरमैन की नियुक्ति होगी। सोच विचार कर ही नियुक्ति की गई है।

साइबर ठगी मामला: बैंक लोन का झांसा देकर लगाया लोगों को चपत, आरोपी गिरफ्तार

विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर सिम कार्ड लेकर करता था साइबर अपराध, साक्ष्य मिटाने के लिए बाद कर देता था नष्ट

कोरबा (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले एवं नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में संचालित सजग कोरबा-सतर्क कोरबा अभियान के अंतर्गत साइबर पुलिस थाना कोरबा प्रभारी निरीक्षक ललित चंद्रा एवं साइबर टीम के द्वारा साइबर ठगी के एक प्रकरण में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर ठगी की राशि बरामद की गई है।साइबर पुलिस थाना कोरबा में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 04/2026 के अंतर्गत धारा 318(4), 319(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 66(ब), 66(क) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत विवेचना की जा रही थी। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी लोगों को बैंक से आसान किस्तों पर लोन दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम देता था।

विवेचना में यह भी ज्ञात हुआ कि आरोपी विभिन्न व्यक्तियों को अपने प्रभाव में लेकर उनके नाम पर सिम कार्ड प्राप्त करता था तथा उन्हीं सिम कार्डों का उपयोग साइबर अपराध करने में करता था। घटना के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से संबंधित सिम कार्डों को नष्ट कर देता था।जांच के दौरान आरोपी पुष्पेन्द्र कुमार मेहर (उम्र 25 वर्ष), पिता योगेन्द्र मेहर, निवासी ग्राम सेमरा, थाना डभरा, जिला सक्ती (छ.ग.), हाल मुकाम रिस्दी, थाना बालको, जिला कोरबा से पूछताछ की गई।

नशीली टेबलेट का अवैध कारोबार बेनकाब, घर के सामने बिक्री कर रहा युवक गिरफ्तार

दुर्ग(ए.)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नेवई थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाओं की अवैध बिक्री करने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हजारों रुपये मूल्य की नशीली टेबलेट बरामद की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नेवई थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों और प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर

लगातार निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि भिलाई के स्टेशन मरोदा स्थित शिवपारा शीतला तालाब के पास रहने वाला एक युवक अपने घर के सामने ही नशीली टेबलेट बेच रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर योजनाबद्ध तरीके से मौके पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध युवक को मौके से हिरासत में लिया।

28 जून को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान, 0-5 वर्ष के बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

रायपुर(आरएनएस)। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशानुसार राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर 28 जून 2026 को पूरे रायपुर जिले में पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। जिला स्वास्थ्य समिति ने सभी पालकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को निकटतम बूथ पर ले जाकर दवा अवश्य पिलाएं।

भारत पोलियो मुक्त है, लेकिन पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो वायरस से ग्रसित बच्चे पाए गए हैं। इससे देश में पोलियो संक्रमण का खतरा बना हुआ है। इसी खतरे को देखते हुए 0 से 5 वर्ष के बच्चों को प्रतिरक्षित करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत जिले के समस्त ग्रामों एवं वार्डों में कुल 1381 पोलियो बूथ बनाए जाएंगे। प्रत्येक बूथ पर 04 टीकाकर्मी दो टीमों में बंटकर बच्चों को दवा पिलाएंगे। बूथों की मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक 05 बूथ पर एक सुपरवाइजर की ड्यूटी लगाई गई है।

यदि कोई बच्चा 28 जून को बूथ पर दवा पीने से छूट जाता है तो 29 एवं 30 जून को घर-घर भ्रमण कर ऐसे बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। पूरे अभियान की निगरानी एवं मॉनिटरिंग जिला मुख्यालय के अधिकारी व कर्मचारी करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर बिलासपुर पुलिस की जागरुकता रैली, नशा मुक्त समाज का दिया संदेश

बिलासपुर, (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर बिलासपुर पुद्धलिस ने जिलेभर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाते हुए नशा मुक्त समाज का संदेश दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस महानिरीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में जिले के सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम एवं रैलियों का आयोजन किया गया।

भारत सरकार द्वारा 17 जून से 26 जून तक मनाए जा रहे नशा मुक्त भारत सप्ताह के तहत बिलासपुर पुलिस ने चेतना अभियान के अंतर्गत विभिन्न चरणों में जनजागरूकता कार्यक्रम संचालित किए। अभियान के अंतिम दिन शुक्रवार को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में रैली निकालकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में राजपत्रित अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में थाना प्रभारियों के साथ सहभागिता करते हुए आम नागरिकों को नशा छोड़ने और स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया। पुलिस अधिकारियों ने युवाओं, बच्चों और महिलाओं को विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल कर नशे से दूर रहने की अपील की।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज पटेल, सीएसपी निमितेश सिंह, रक्षित निरीक्षक भूपेन्द्र कुमार गुप्ता, निरीक्षक देवेश सिंह, निरीक्षक रवींद्र अनंत, निरीक्षक नीलेश पांडेय सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

खेल समाचार

फीफा विश्व कप 2026: पराग्वे-ऑस्ट्रेलिया के बीच ड्रॉ रहा मैच, तुर्की ने अमेरिका को हराया

नईदिल्ली, (आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप-डी में पराग्वे फुटबॉल टीम और ऑस्ट्रेलिया फुटबॉल टीम के बीच खेला गया मैच ड्रॉ रहा। लेवाइस स्टेडियम में हुए मैच में कोई गोल देखने को नहीं मिला। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में तुर्की ने अमेरिका फुटबॉल टीम को 3-2 से शिकस्त दी। इस ग्रुप से ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने राउंड ऑफ-32 के लिए प्रवेश किया, जबकि तुर्की का सफर समाप्त हो गया।

लगभग 65 हजार दर्शकों की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ में बेहतर शुरूआत की और कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने उन प्रयासों को नाकाम किया। दूसरे हाफ में पराग्वे ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन कोई निर्णायक मौका नहीं बना पाई। मैच में ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया संतुष्ट दिखी क्योंकि इस परिणाम से उन्होंने नॉकआउट में पहुंचने में सफलता हासिल की।

फीफा विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार नॉकआउट में पहुंचने में कामयाब रही। इससे पहले 2006 और 2022 में राउंड ऑफ-16 में पहुंचने में सफल रही थी। इन 2 संस्करणों में कुल 32-32 टीमों ने हिस्सा लिया था, जबकि इस बार 48 टीमें शामिल रही।

इस रोमांचक मुकाबले में ऑस्टन ट्रस्टी ने तीसरे ही मिनट में गोल करके बढ़त दिला दी। कुछ समय बाद ही 10वें मिनट में अर्दा गुलेर ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। वहीं, अल्पर यिलमाज ने पहले हाफ में गोल करके तुर्की को बढ़त में ला दिया। इसके बाद अमेरिका के सेबेस्टियन बरहाल्टर ने 49वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। कान आयहान ने अंतिम क्षणों (90+8%) में गोल दागकर तुर्की को जीत दिलाई।

मैच में अमेरिका ने गोल करने की 19 बार कोशिश की और 7 बार टारगेट पर शॉट लगाए। दूसरी तरफ तुर्की ने 10 बार ही कोशिश की और 4 बार टारगेट पर शॉट लगाए। इस रोचक मैच में अमेरिकी टीम के पास 53 प्रतिशत समय बॉल का कब्जा रहा। अमेरिका ने 87 प्रतिशत एक्यूरेसी के साथ 489 पास पूरे किए। तुर्की ने 412 पास किए, जिसमें उनकी एक्यूरेसी 81 प्रतिशत की रही।

बेन स्टोक्स 250 विकेट और 7,000 रन का डबल पूरा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 250 विकेट पूरे कर लिए हैं। ऐसे में वह इस प्रारूप में 250 विकेट और 7,000 रन का डबल पूरा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले केवल जैक्स कैलिस ने ये कारनामा किया था। आइए स्टोक्स के आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

स्टोक्स ने 122वें टेस्ट की 181 पारी में अपने 250 विकेट पूरे किए। उन्होंने 6 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/22 का रहा है। अपने टेस्ट करियर में इस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा विकेट (57) भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ लिए हैं। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया एक ऐसी टीम है, जिसके खिलाफ स्टोक्स ने 50 से ज्यादा विकेट (56) लिए हैं। कैलिस ने 166 मुकाबलों की 272 पारियों में 292 विकेट लिए थे।

स्टोक्स ने 122वें टेस्ट की 218वीं पारी में 7,228 रन बनाए हैं। उनकी औसत 34.58 की रही है। उनके बल्ले से 14 शतक और 37 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 258 रन रहा है। इस खिलाड़ी ने अपने टेस्ट करियर में सबसे ज्यादा रन (1,746) ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाए हैं। वहीं, कैलिस ने बल्लेबाजी में 280 पारियों में 55.37 की औसत से 13,289 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 45 शतक और 58 अर्धशतक निकले थे।

फीफा वर्ल्ड कप: मिस्र पहली बार राउंड ऑफ 32 में, ईरान की उम्मीदें ड्रॉ से बरकरार

सिएटल (आरएनएस) फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप जी मुकाबले में मिस्र और ईरान के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इस नतीजे के साथ ही मिस्र ने विश्व कप के इतिहास में पहली बार राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली है।ग्रुप जी में मिस्र दूसरा स्थान हासिल करने में सफल रहा, जबकि ईरान तीसरे स्थान पर रहा। हालांकि, ईरान की नॉकआउट स्टेज में पहुंचने की उम्मीदें अभी खत्म नहीं हुई हैं। तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ 8 टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंच सकती हैं और इस लिस्ट में ईरान अभी छठे नंबर पर काबिज है। मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।मैच के शुरुआती मिनटों में मिस्र का दबदबा देखने को मिला। महमूद साबेर ने मुकाबले के पांचवें मिनट में ही पहला गोल दागा और टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि, ईरान ने मिस्र की इस बढ़त को ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रहने दिया। मैच के 14वें मिनट में ईरान के लिए रमिन रेजाइएन ने गोल किया और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों

ने गोल करने के कई प्रयास लिए, लेकिन पहले हाफ में किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लग सकी और शुरुआती 45 मिनटों तक स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। इसके बाद मिस्र ने थोड़ा रक्षात्मक खेल अपनाया, क्योंकि टीम पहले ही अगले दौर में जगह बना चुकी थी। दूसरी ओर, ईरान ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखा और लगातार हमले करता रहा, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली। मैच के अंतिम मिनटों में रोमांच चरम पर पहुंच गया। पहले मेहदी तारेमी का हेडर क्रॉसबार से टकराया।

इसके कुछ ही देर बाद स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में शोजा खलीलजादेह ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। गोल होते ही ईरानी खिलाड़ी और बेंच पर मौजूद सदस्य खुशी से मैदान में दौड़ पड़े और जीत का जश्न मनाने लगे। हालांकि, कुछ ही देर बाद वीएआर(वीडियो असिस्टेंट रेफरी) ने गोल की समीक्षा की। जांच में खलीलजादेह को ऑफसाइड पाया गया और गोल रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही ईरान की जीत की उम्मीद टूट गई और मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

महिला टी-20 विश्व कप 2026: दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को हराया, ये बने रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली (आरएनएस)। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम ने नीदरलैंड महिला क्रिकेट टीम को 88 रन से हरा दिया। ये इस विश्व कप में उनकी लगातार तीसरी जीत रही। वह ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ अपना एकमात्र मैच हारी हैं। वहीं, नीदरलैंड की टीम लगातार चौथा मैच हारी। अब ये टीम अपना आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। उनका ये फैसला गलत साबित हुआ। ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शतकीय पारी (114*) खेल दी। वहीं, लौरा वोल्वार्ड्ट के बल्ले से 45 रन निकले। एनरी डर्क्सेन ने 16 गेंदों में 37 रन बना दिए। जवाब में नीदरलैंड के लिए कोई भी बल्लेबाज मैच जीताऊ पारी नहीं खेल पाया। वह 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 120 रन ही बना पाए। अयाबोंगा खाका ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 3 विकेट लिए।

ब्रिट्स ने 69 गेंदों का सामना किया और 114 रन बनाए। उनके बल्ले से 15 चौके और 3 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 165.22 की रही। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला ही शतक रहा, जिसे उन्होंने 63 गेंदों में पूरा किया। अब तक इस खिलाड़ी ने टी-20 विश्व कप में 14 मुकाबले खेले हैं और इसकी 14 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 47.90 की औसत से 527 रन बनाने में सफल रहीं हैं।

यूएस ओपन बैडमिंटन: श्रीकांत, देविका, रौनक ने अपने शानदार प्रदर्शन से सेमीफाइनल में जगह बनाई

फुलर्टन (आरएनएस)। थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग ने जापान की तीसरी सीड रीको गुंजी को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं, रौनक चौहान भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।देविका ने शुक्रवार को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में गुंजी को 22-20, 21-19 से हराया।

इस बीच, चौहान ने इजरायल के मिशा जिल्बरमैन को सिर्फ 38 मिनट में 23-21, 21-11 से हराकर अपना पहला पुरुष एकल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 सेमीफाइनल में जगह पक्का की। सेमीफाइनल में चौहान का मुकाबला चीनी ताइपे की आठवीं सीड सू ली यांग से होगा।दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने भी क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-9, 12-21, 21-8 से हराया। सेमीफाइनल में श्रीकांत का मुकाबला जापान के चौथी सीड युदाई ओकिमोटो से होगा।देविका का सेमीफाइनल में दूसरी सीड लाइन क्रिस्टोफरसेन से मुकाबल होगा। डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन ने क्वार्टरफाइनल में भारत की तन्वी शर्मा को 21-16, 11-21, 21-11 से हराया।दूसरे क्वार्टरफाइनल में, रक्षिता श्री कनाडा की रेचल चैन से 15-21, 21-16, 21-12 के स्कोर से हार गईं।

इससे पहले बुधवार को, वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा और देविका ने आसान जीत के साथ अपने यूएस ओपन कैंपेन की जबरदस्त शुरुआत की। तन्वी ने जर्मनी की यवोन ली को 23-21, 21-16 से हराया, जबकि देविका ने महिला एकल के पहले राउंड में पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो को 21-14, 21-14 से हराया।दो ऑल-इंडियन मुकाबलों में से पहले में, उभरते हुए स्टार रौनक चौहान ने पूर्व विश्व जूनियर रजत पदक विजेता एस शंकर मुथुसामी को 23-21, 21-16 के स्कोर से हराया। पांचवीं सीड किदांबी श्रीकांत ने फिर साथी भारतीय डी सनीथ को सिर्फ 30 मिनट में 21-14, 21-12 से हराया। इसके अलावा, रक्षिता श्री ने मिश्रित डबल्स जोड़ी ध्रुव रावत और के मनीषा के साथ महिला एकल में आगे बढ़ीं।

रक्षिता ने चेक रिपब्लिक की टेरेजा स्वाबिकोवा को 21-15, 21-8 से हराया। रावत और मनीषा की सातवीं सीडेड मिश्रित डबल्स टीम ने इंडोनेशिया के विरावन इहसान एडम और सेरेना कानी को 21-15, 21-16 के स्कोर से हराने में सिर्फ 26 मिनट लिए।

वैभव सूर्यवंशी के समर्थन में उतरे दिलीप वेंगसरकर

नई दिल्ली (ए.)। आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। क्रिकेट प्रशंसकों का एक बड़ा वर्ग मान रहा है कि यदि वैभव को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता तो मुकाबले का परिणाम अलग हो सकता था। इसी बीच भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य चयनकर्ता दिलीप वेंगसरकर ने भी युवा बल्लेबाज की प्रतिभा पर भरोसा जताते हुए कहा है कि वैभव भविष्य में भारतीय क्रिकेट के लिए लंबे समय तक अहम भूमिका निभा सकते हैं। दिलीप वेंगसरकर का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपनी क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार, युवा बल्लेबाज में बड़े स्तर पर सफल होने की पूरी योग्यता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी खिलाड़ी का वास्तविक आकलन लंबे प्रारूप में प्रदर्शन के आधार पर होता है, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि वैभव टेस्ट क्रिकेट में खुद को किस तरह साबित करते हैं।वेंगसरकर ने आधुनिक क्रिकेट और अपने दौर के खेल में अंतर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके समय में बल्लेबाजों को केवल सीधे बल्ले से वी क्षेत्र में और जमीन पर शॉट खेलने की सीख दी जाती थी, जबकि आज टी20 और अन्य सीमित ओवरों के प्रारूपों ने बल्लेबाजी की शैली पूरी तरह बदल दी है। उनका मानना है कि नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को अलग तरह की कोचिंग मिल रही है,

गृह विज्ञान महाविद्यालय में खेल सामग्री खरीदी का मामला गर्माया, विधायक व कलेक्टर ने कराई जांच

कालेज की प्राचार्य ने सेवानिवृत्त होने से चार दिन पूर्व जल्दबाजी में सामग्री आने से पूर्व कर दिया भुगतान अब तीन वर्ष की खेल सामग्री क्रय करने और जो सामग्री आई उसकी जांच की हो रही मांग

नर्मदापुरम(निप्र)। शासकीय ग्रह विज्ञान महाविद्यालय में खेल सामग्री आने से पहले हुए भुगतान किए जाने का मामला गर्मा गया है। मामले की जानकारी लगने पर विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के कहने पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तहसीलदार सरिता मालवीय से जांच कराई है। जिसमें अनियमित्ता होना पाया गया है। इतनी जल्दबाजी क्या थी कि सामग्री आई नहीं और संबंधित फर्म को एक दिन पूर्व 9 लाख 20 हजार का भुगतान कर दिया। इस मामले में कालेज की प्राचार्य कामनी जैन का कहना है कि मुझसे गल्ती हुई है। यह गल्ती मेरे सेवानिवृत्ति का समय आने और तीन दिन अवकाश होने के कारण जल्दबाजी में खेल सामग्री का भुगतान कर दिया है। हालाकि दूसरे दिन शाम को खेल सामग्री कालेज में आ गई है। लेकिन जांच होने तक तो सामग्री कालेज में नहीं होना ही अनियमित्ता के दायरे में आता है।

ट्रेजरी के माध्यम से 9 लाख 20 हजार का फर्म को हुआ है भुगतान

दो कालेज के लिए बुलवाई थी सामग्री

ग्रह विज्ञान महाविद्यालय में करीब साढ़े 6 लाख रुपए और डोलरिया कॉलेज के लिए ढाई लाख की खेल सामग्री बुलवाई गई थी। प्राचार्य लंबे समय से इस कालेज में प्राचार्य होने के साथ ही अनेक कालेज की प्रभारी प्राचार्य भी हैं।

विधायक डॉ शर्मा ने लिया गंभीरता से

मामले की जानकारी लगने पर गंभीरता समझते हुए विधायक डॉ शर्मा ने स्वयं कॉलेज पहुंचकर आपत्ति ली और सामग्री के बारे में पूछा जब सामग्री नहीं आई तो कलेक्टर से जांच के लिए कहा। ट्रेजरी ऑफिसर से भी भुगतान नहीं करने के लिए कहा। लेकिन भुगतान हो चुका था। अब विधायक डॉ शर्मा का ऐसा मानना है कि बीते तीन वर्ष पूर्व की खेल सामग्री का मिलान करके जांच होनी चाहिए। डॉ शर्मा ने बताया कि उन्होंने कमिश्नर को भी जानकारी दी है।

कलेक्टर ने कराई जांच

कलेक्टर ने भी पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार से जांच कराई है। कुछ आवश्यक दस्तावेज जब्त भी हुए हैं। इतनी जल्दबादी क्यों हो रही थी। यह मामला विचारणीय है।

जिले में एक मात्र फुलफ्रेस प्राचार्य

जिले में कालेज तो बहुत हैं लेकिन लंबे समय से ग्रह विज्ञान महाविद्यालय में फुलफ्रेस प्राचार्य कामनी जैन ही थी। जिले के प्राय: सभी कालेज प्रभारी प्राचार्य के भरोसे चल रहे हैं। प्राचार्य जैसे पद पर इतने लंबे अरसे से पदस्थ हैं तो यह गलती कैंसे हुई है। यह प्रमुख चर्चा का विषय बना हुआ है।

पैकेट छिपाकर गांजे की तस्करी, एक आरोपी पकड़ाया

इटारसी(आरएनएस)। जिले की पथरोटा थाना पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 3 किलो 212 ग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 45 हजार रुपए है। पुलिस ने यह कार्रवाई 26 जून की रात करीब 11 से 12 बजे के बीच इटारसी के पास की।

पथरोटा पुलिस को 26 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम जुझारपुर रेलवे फाटक के आगे कोल डिपो के पास रेलवे लाइन के किनारे एक युवक फिरोजी रंग का ट्रॉली बैग लेकर खड़ा है। वह गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सुशील पटेल पिता रघुनंदन पटेल (31) बताया।

सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी और पत्नी के साथ मारपीट

निवास पर कब्जा करने की शिकायत के बाद भी पुलिस ने प्रकरण दर्ज नहीं किया

नर्मदापुरम (निप्र)। बैंक से सेवानिवृत्त कर्मचारी द्वारका प्रसाद मालवीय और उनकी पत्नी के निवास स्थान कोठीजाार स्थित लाल बंगला पर आकर कुछ अज्ञात बदमाशों ने जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जब पति पत्नी ने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। इस संबंध में पीडित परिवार ने पुलिस को शिकायत की लेकिन पुलिस ने प्रकरण दर्ज नहीं किया है। इससे दुखी होकर पीडित परिवार ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि 25 जून को जब हम पति पत्नी अपने मकान लाल बंगला पर गए तो वहां पर गया प्रसास मालवीय निवासी इटारसी करीब 20 बदमासों को लेकर मेरे घर पर जिस पर मैं करीब 35 वर्ष से निवासरत हूं उसका ताला तोड़कर मकान में रखा हुआ मेरा सामान बाहर फेंक दिया। साथ ही मेरे किरायदारों सामान भी फेंक दिया। जब मैनें विरोध किया तो मेरे साथ और मेरी पत्नी को धक्का देकर उनके साथ आए बदमाशों द्वारा मारपीट की गई। तथा जान से मारने की धमकी दी गई। हमें उन से खतरा है। इस बात की शिकायत करने जब थाने में गए तो वहां पर बिठाए रखा। हमने शिकायत की प्रति थाने में दी लेकिन पुलिस ने प्रकरण दर्ज नहीं किया। इस बीच उन लोगों ने मेरे निवास पर ताला डालकर जाली लगाकर बंद कर दिया। अभी भी हमारा कीमती घरेलू सामान वहीं पर रखा हुआ है। घटना के बाद से हमें डर बना हुआ है। पीडित परिवार के द्वारा मांग की जा रही है कि उनके साथ हुई इस घटना पर प्रकरण दर्ज किया जाए तथा उनका कब्जा वापस कराया जाए।

लाल बंगले खरीदी में लगाई थी राशि-मालवीय

पीडित परिवार ने बताया कि जब इस लाल बंगले की खरीदी उनके भाई ने की थी तब उन्होंने भी राशि मिलाई थी। उन्होंने बताया कि हम लोग पांच भाई हैं जिसमें एक का देहांत हो गया है। उनके बच्चे हैं। इसलिए इस बंगले पर सभी का हिस्सा बनता है। लेकिन उनके इटारसी में रहने वाले एक भाई द्वारा पूरा कब्जा करने की नियत से यह घटना की गई है। पीडित परिवार का कहना है कि उनके साथ न्याय किया जाए।

बराखड़ मॉब लिंचिंग केस में 14 दोषियों को उम्रकैद के बाद सोशल मीडिया पर बवाल, दो अज्ञात पर केस दर्ज

नर्मदापुरम (ए.)। नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा तहसील के ग्राम बराखड़ में हुए बहुचर्चित मॉब लिंचिंग मामले में 12 जून को अदालत द्वारा 14 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद अब मामला सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो और प्रतिक्रियाओं को लेकर चर्चा में आ गया है।

करीब चार साल पुराने इस मामले में गो तस्करी के संदेह में हुई हिंसा के दौरान महाराष्ट्र के अमरावती निवासी नाजिर अहमद की मौत हुई थी। मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद एडीजे की अदालत ने 14 आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद न्यायालय परिसर में भावुक और तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला था। इसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हुए, जिनमें कथित रूप से न्यायालय के फैसले को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

मामले को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि तथ्यों के आधार पर दिए फैसले पर एक व्यक्ति सवाल उठा रहा है। वायरल वीडियो में उस व्यक्ति की आपत्ति न्यायिक फैसले से ज्यादा न्यायाधीश की पहचान को लेकर दिखाई दे रही है और ऐसे मामलों में कार्रवाई की जानी चाहिए।

इधर, सिवनी मालवा थाना प्रभारी सुधाकर बारस्कर ने बताया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो साझा करने के मामले में दो अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर संबंधित लोगों की पहचान करने में जुटी है।

:: जिला अधिवक्ता संघ चुनाव ::

अध्यक्ष पद के लिए चार उपाध्यक्ष के लिए दो अधिवक्ताओं ने लिए फार्म

कोषाध्यक्ष, सहसचिव व ग्रंथपाल पद के लिए एक-एक उम्मीदवार ने लिए फार्म

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस एस पटेल व सहायक अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि अधिवक्ता संघ के चुनाव के लिए अधिवक्ताओं के द्वारा फार्म भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रथम दिन कुल 11 अधिवक्ताओं ने विभिन्न पदों के लिए फार्म प्राप्त किए हैं। जिनमें अध्यक्ष पद के लिए चार, उपाध्यक्ष पद के लिए दो कोषाध्यक्ष, सहसचिव व ग्रंथपाल पद के लिए एक-एक और कार्यकारिणी के लिए तीन ने इस प्रकार कुल 11 अधिवक्ताओं ने फार्म लिए हैं। उन्होंने बताया कि फार्म लेने के लिए सोमवार तक और मौका रहेगा। 29 जून तक फार्म लेकर 30 जून व 1 जुलाई को फार्म जमा किए जा सकेंगे। 2 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की जाएगी तथा 3 जुलाई को दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी की जा सकेगी। इसी दिन अंतिम प्रत्याशियों की सूची भी जारी होगी।श्री पटेल ने बताया कि 15 जुलाई को प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान कराया जाएगा तथा दोपहर 3 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। जिला अधिवक्ता संघ के सभागार में वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारी टी एस चौहान राजेश अग्रवाल सहायक निर्वाचन अधिकारी रामकुमार दुबे अभिषेक शुक्ला एवं प्रशांत पालीवाल की उपस्थिति में चुनाव संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एस एम ठाकुर, एमएस चौहान रमेश परिहार एवं केके जराठे सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

11 अधिवक्ताओं ने लिए फार्म

चुनाव के लिए जिन अधिवक्ताओं ने फार्म लिए हैं उनमें अध्यक्ष पद के लिए मनोज जराठे, राजीव दुबे, सुरेंद्र सिंह राजपूत, खेमराज चौहान ने फार्म लिए हैं। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए केशव चौहान, दिलीप सिंह ठाकुर, सह सचिव पद के लिए राकेश शर्मा, कोषाध्यक्ष पद के लिए सुश्री शमशाद खान, ग्रंथपाल पद के लिए सोरभ तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य के लिए श्रीकांत रघुवंशी, बालकराम अहिरवार व सलोनी अग्रवाल ने फार्म लिया है।

बोर्ड परीक्षाओं में कमजोर परिणाम बर्दाश्त नहीं

शैक्षणिक गुणात्मकता पर अभी से दें विशेष ध्यान : कलेक्टर सिद्धार्थ जैन

हरदा,(निप्र)। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने गुरुवार को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए सत्र की शुरुआत से ही प्रभावी प्रयास किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आगामी बोर्ड परीक्षाओं में कमजोर परीक्षा परिणाम किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिए कि विगत बोर्ड परीक्षाओं में जिन स्कूलों का परीक्षा परिणाम अपेक्षाकृत कमजोर रहा है, उनका विस्तृत विश्लेषण किया जाए तथा कमियों को चिन्हित कर सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में किसी भी विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था कमजोर न रहे और विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम बेहतर हो। कलेक्टर ने ऐसे अतिथि शिक्षकों के संबंध में भी सख्त निर्देश दिए जो शिक्षण कार्य में रुचि नहीं ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सांसद चौधरी ने किया मोहासा औद्योगिक क्षेत्र का अवलोकन

मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को रोजगार,उद्योगों के शीघ्र संचालन और आधारभूत सुविधाओं पर सांसद ने की समीक्षा

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मोहासा औद्योगिक क्षेत्र का अवलोकन किया। निरीक्षण

के दौरान सांसद ने औद्योगिक क्षेत्र में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं विकास कार्यों निवेश की संभावनाओं तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों को उद्योगों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया।सांसद ने उद्योगों के शीघ्र संचालन विभागीय अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल एवं समयबद्ध बनाने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने अग्निशमन फायर स्टेशन की स्थापना तथा पुलिस सहायता की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों के साथ सार्थक चर्चा की। उन्होंने कहा कि उद्योगों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है जिससे अधिक से अधिक निवेश आकर्षित हो और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित हों।सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश औद्योगिक विकास आत्मनिर्भर भारत और स्थानीय रोजगार सृजन को नई गति मिली है। मोहासा औद्योगिक क्षेत्र क्षेत्र के आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा हैए जिसे और अधिक विकसित करने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।इस अवसर पर सोहागपुर विधायक व सत्यनारायण पाराशर भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के सदस्य नीतिराज सिंह पटेल जिला विकास एवं सलाहकार समिति सदस्य योगेंद्र सिंह राजपूत मंडल अध्यक्ष विपिन यादव मनीष चतुर्वेदी आकाश तिवारी सहित संगठन के पदाधिकारी उद्योग प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी बच्चों का प्राथमिक शाला में एक्सपोजर विजिट आयोजित

हरदा (ए.)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं पांचवीं राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की एक्शन टेकन रिपोर्ट के तहत 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के आंगनबाड़ी बच्चों को वर्ष में दो बार प्राथमिक शालाओं का एक्सपोजर विजिट कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में हरदा शहरी क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आंगनबाड़ी केंद्र हरदा खुर्द-1 एवं हरदा खुर्द-2 के बच्चों का प्राथमिक शाला हरदा खुर्द में एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यवेक्षक श्रीमती पूजा चौहान ने बच्चों को विद्यालय के वातावरण से परिचित कराया तथा प्राथमिक शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी। प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक श्री शिवनारायण देवड़ा ने बच्चों एवं अभिभावकों को विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों को नि:शुल्क ड्रेस, पाठ्यपुस्तकें तथा खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

भाजपा नर्मदापुर मंडल की कैलासवासी शक्ति केंद्र 5 एवं महेश्वर शक्ति केंद्र 3 की बैठक हुई संपन्न, कार्यक्रमों पर बनी रणनीति

नर्मदापुरम(निप्र)। भारतीय जनता पार्टी नर्मदापुर मंडल के वार्ड क्रमांक 21 एवं 22 के कैलासवासी शक्ति केंद्र क्रमांक-5 एवं वार्ड क्रमांक 19,20 महेश्वर शक्ति केंद्र क्रमांक 3 की बैठक वार्ड 20 मंडल उपाध्यक्ष चंदन शाह के निवास एवं 22 स्थित शक्ति केंद्र के प्रभारी सुमित गौर के निवास हनुमान नगर रसूलिया में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, बूथ सशक्तिकरण अभियान तथा केंद्र एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। साथ ही आगामी 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक रूप से सुनने का निर्णय लिया गया।

बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला जी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. अखिलेश खंडेलवाल जी ,नगर मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत जी, मंडल के प्रभारी चरणजीत जी,भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक महला जी, पार्षद बंटी परिहार , मंडल उपाध्यक्ष चंदन शाह,बूथ अध्यक्ष राकेश मेहरा , प्रशांत तिवारी, एल्डर मेन संतोष मीना, मंडल उपाध्यक्ष सुचित्रा यादव, नगर मंत्री कमल राव चव्हाण,युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष सुंदरम अग्रवाल,दुर्गेश मिश्रा,सौरभ मेहरा , रामजीवन ,विजय रघुवंशी, आरती पांडे , सुरेंद्र चौहान, शक्ति केंद्र प्रभारी सुमित गौर सहित बूथ अध्यक्ष, बूथ समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक फैला संगठन है। प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी को पूरी सक्रियता एवं समर्पण के साथ कार्य करना होगा।

गांवों में जल प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा, पानी समितियां संभालेंगी नल-जल योजनाओं की जिम्मेदारी

सीहोर (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजनाओं के बेहतर संचालन, रखरखाव एवं पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर पानी समितियों का गठन किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के तहत पानी समितियां जल योजनाओं के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पानी समितियां ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी गांवों में नल-जल योजना के संचालन, संधारण, जल वितरण व्यवस्था और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में सहयोग करेंगी। समिति पाइप लाइन, पंप, टंकी, वाल्व, मीटर सहित जल आपूर्ति से जुड़े सभी संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी समिति का उद्देश्य ग्रामीणों में जल योजनाओं के प्रति सामूहिक स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना होगा। जल आपूर्ति योजना का प्रचार-प्रसार, ग्रामीणों को जागरूक करना और पेयजल के उचित उपयोग के लिए प्रेरित करना भी समिति की जिम्मेदारी होगी।

पानी के दुरुपयोग पर लगेगा जुर्माना

जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पानी समितियों को जल अपव्यय रोकने की जिम्मेदारी दी गई है। यदि कोई उपभोक्ता पेयजल का दुरुपयोग करते हुए पाया जाता है, जैसे नल के पानी से वाहन धोना, मवेशियों को नहलाना, कृषि कार्यों में पेयजल का उपयोग करना या नल कनेक्शन से सीधे मोटर पंप लगाकर पानी खींचना, तो समिति कार्रवाई की अनुशंसा कर सकेगी। ऐसे मामलों में पहली बार जल अपव्यय करने पर न्यूनतम 100 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं एक माह में दो बार से अधिक जल अपव्यय पाए जाने पर न्यूनतम 500 रुपये का जुर्माना और पेयजल आपूर्ति बंद करने की अनुशंसा ग्राम पंचायत को की जा सकेगी।

चोरी हुए दान की घटना को बताने कांग्रेस घर-घर जाएगी : दिग्विजय सिंह

उज्जैन, (आरएनएस)। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में दान चोरी के मामले को लेकर शनिवार को उज्जैन में केंद्र सरकार, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भ्रष्ट बताते हुए उनके खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की। साथ ही कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है, इसलिए इसकी जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शुक्रवार रात उज्जैन पहुंचे थे और देवास रोड स्थित सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह उन्होंने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता कर राम मंदिर, महाकाल मंदिर की व्यवस्था और जमीन घोटाले को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन रीजन के नामकरण को लेकर चल रहे विवाद पर भी कहा कि इसमें इंदौर का नाम पहले होना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि वे मुख्यमंत्री मोहन यादव को सलाह देने उज्जैन आए हैं। उन्होंने कहा, "इतने विभाग आपके पास हैं, गड़बड़ी अधिकारी करेंगे और जवाब आपको देना पड़ेगा। ऐसा मत करिए, क्योंकि हम आपको छोड़ने वाले नहीं हैं।" राम मंदिर में दान चोरी के मामले को लेकर दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद को धर्म और धार्मिक कार्यों से कोई मतलब नहीं है, उन्हें सिर्फ सत्ता से मतलब है। उन्होंने कहा कि इन संगठनों पर कोई कानून लागू नहीं होता और ये सनातनियों को ठग रहे हैं।

एडिनबरा (यूके) में जन्मी बालिका मिराया सिंह का अन्नप्राशन संस्कार गायत्री परिवार की बहनों ने कराया

नर्मदापुरम (निप्र)। गायत्री परिवार की बहनों द्वारा एडिनबरा (यूके) में जन्मी बालिका मिराया सिंह का वैदिक रीति-रिवाजों एवं मंत्रोच्चार के साथ अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया।बालिका की माता श्रीमती प्रियांशु सिंह, जो सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं तथा अपने पति हर्षदीप सिंह के साथ वर्तमान में एडिनबरा (यूके) में निवास करती हैं, इन दिनों अपने पिता उमेश कुमार सिंह के निवास नारायण नगर, नर्मदापुरम आई हुई हैं। विदेश में निवास करने के बावजूद उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक संस्कारों के प्रति अपनी आस्था बनाए रखते हुए स्वयं ने गायत्री परिवार के में गरू दीक्षा ली एवं अपनी पुत्री मिराया सिंह का भी अन्नप्राशन संस्कार गायत्री परिवार के माध्यम से संपन्न कराया। संस्कार वैदिक विधि-विधान एवं गायत्री मंत्रों के मंगलमय उच्चारण के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर गायत्री परिवार की बहनों पुष्पा दुबे, बिनीता सोनी, माया ठाकुर, संध्या मांगरोल, शकुन पटवा, अनीता जाट, उषा थापक, गायत्री यादव, सोनू राजपूत एवं अन्नू झिंझोरे ऊषा कुशवाह, सीमा यादव सहित लगभग एक दर्जन बहनों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए संस्कार को सफल बनाया। कार्यक्रम में गायत्री परिवार की बहनों के साथ नारायण नगर की अनेक महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में गायत्री परिवार की वरिष्ठ परिजन श्रीमती वरूणा सिंह ने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा समाज में विभिन्न वैदिक एवं पारिवारिक संस्कार नि:शुल्क कराए जाते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों एवं संस्कारों का संरक्षण और संवर्धन हो रहा है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com